



दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 अंक : 49 डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, सोमवार 10 मार्च, 2025 RNI.No.RAJHIN/2016/70162 मूल्य : 1.5 रुपए पृष्ठ : 8+2



भारत ने तीसरी बार जीती चैंपियंस ट्राफी

न्यूजीलैंड को 4 विकेट से को हराया

जयपुर टाइम्स

दुबई (एजेंसी)।आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जा रहा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 7 विकेट के नुकसान पर 251 रन बनाए। इस दौरान कीवी टीम की तरफ से डेरिल मिचेल ने सबसे ज्यादा 61 रन की पारी खेली। उनके अलावा ब्रेसवेल ने भी अर्धशतकीय पारी खेली और रचिन रविंद्र ने 37 रन बनाए। टीम इंडिया की ओर से वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट लिए। फिलहाल, भारत को खिताब जीतने के लिए 252 रन चाहिए।

पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत सधी हुई थी। विल यंग और रचिन रविंद्र ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के



बीच 57 रन की साझेदारी हुई। वरुण चक्रवर्ती ने भारत को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने यंग (15) को पवेलियन का रास्ता दिखाया। रचिन रविंद्र 29 गेंद में 37 रन बनाकर आउट हुए। कुलदीप ने उन्हें क्लीन बोलड किया। केन विलियमसन 14 गेंद में 11 रन बना पाए। टॉम लैथम ने 30 गेंद में

14 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने 34 रन की पारी खेली। डेरिल मिचेल ने कीवी टीम के लिए सबसे ज्यादा 63 रन की पारी खेली। उन्हें शमी ने आउट किया। इसके बाद कलान मिचेल सैंटरन महज 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं माइकल ब्रेसवेल शतकीय पारी खेलकर नाबाद लौटे।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एम्स में एडमिट, कार्डियक विभाग में भर्ती

जयपुर टाइम्स

नारंग की देखरेख में जगदीप धनखड़ क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती किया गया।

नई दिल्ली(एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सुबह एम्स दिल्ली के कार्डियक विभाग में भर्ती कराया गया। हृदय संबंधी समस्या के चलते बीती रात 1 बजे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर है और फिलहाल उन्हें चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। एम्स ने उपराष्ट्रपति के इलाज के लिए एक मेडिकल बोर्ड बनाया है। डॉक्टरों की यह टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है। इस बोर्ड में अलग-अलग विशेषज्ञ डॉक्टरों को शामिल किया गया है।



डॉक्टरों के अनुसार, स्टेंट को भी प्रत्यारोपित किया गया। रिपोर्ट के अनुसार अब उपराष्ट्रपति की हालत स्थिर बनी हुई है।

मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर बारीकी से नजर रख रही है और उनकी स्थिति में सुधार होने की उम्मीद जताई जा रही है।

क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती है धनखड़:

एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. राजीव

ट्रंप के फैसले से बांग्लादेश में भुखमरी का बढ़ा खतरा

10 लाख रोहिंग्या शरणार्थी होंगे प्रभावित

जयपुर टाइम्स

ढाका(एजेंसी)। बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों को खाद्यान्न में कटौती का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि सहायता एजेंसियों ने धन में कटौती की है। कॉक्स बाजार, बांग्लादेश-बांग्लादेशी शिविरों में रहने वाले रोहिंग्या शरणार्थियों का कहना है कि वे अगले महीने से खाद्यान्न राशन में होने वाली कटौती से चिंतित हैं। अमेरिका ने इन शरणार्थियों को दी जाने वाली खाद्यान्न मदद को आधा करने का फैसला किया है। मामले में एक शरणार्थी अधिकारी का कहना है कि इस कटौती से 10 लाख से अधिक शरणार्थियों के पोषण पर असर पड़ेगा और साथ ही इसका सामाजिक और मानसिक असर भी होगा।

ट्रंप ने रोकी तमाम विदेशी सहायता

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पद संभालते ही अधिकांश विदेशी सहायता रोक दी है। इतना ही नहीं उन्होंने अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए काम करने वाली अमेरिकी एजेंसी यूएसएआईडी को भी भंग कर दिया। इसकी वजह से दुनिया भर में मानवीय मदद के लिए चलाए जा रहे काम पर बुरा असर पड़ा है और कई कार्यक्रम रुक गए हैं। ट्रंप ने 20 जनवरी को एक कार्यकारी आदेश जारी करते हुए यूएस एड के फंड को रोक दिया था और 90



दिन की समीक्षा का निर्णय किया था। संयुक्त राष्ट्र की मुख्य खाद्य एजेंसी विश्व खाद्य कार्यक्रम ने हाल ही में घोषणा की थी कि 1 अप्रैल से बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में खाद्यान्न राशन में कटौती शुरू हो जाएगी। यह वही जगह है जहां रोहिंग्या शरणार्थियों के दर्जनों शिविर हैं।

2017 में 7 लाख से ज्यादा रोहिंग्या

पहुंचे थे बांग्लादेश

बता दें कि, अगस्त 2017 के अंत में म्यांमार की सेना ने निकासी अभियान शुरू किया था। इसके बाद 7 लाख से अधिक मुस्लिम रोहिंग्या म्यांमार से भागकर बांग्लादेश पहुंचे थे। बौद्ध बहुल देश म्यांमार में रोहिंग्या जातीय समूह को भेदभाव का सामना करना पड़ता है और साथ ही उन्हें नागरिकता और

अन्य अधिकारों से भी वंचित किया जाता है। 2021 में सैन्य तख्ता पलट के बाद देश में सशस्त्र संघर्ष जारी है और गृहयुद्ध की स्थिति है।

राशन के लिए मिलने वाली

मदद में कटौती:

यह स्पष्ट नहीं है कि विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) का निर्णय सीधे ट्रंप प्रशासन की कार्यवाही से संबंधित है या नहीं। बांग्लादेश के अतिरिक्त शरणार्थी राहत और प्रत्यावर्तन आयुक्त शमसुद् दौजा ने बताया कि पहले राशन के लिए मिलने वाली मदद 12.50 डॉलर प्रति माह थी जिसे अब घटाकर 6 डॉलर कर दिया गया है। दौजा ने कहा कि ऐसे और भी क्षेत्र हैं, जहाँ खाद्य राशन के अलावा बजट में कटौती की गई है।

अंतरिम सरकार ने कहा कि कई

परियोजनाएं होगी प्रभावित

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी है। सरकार की ओर से कहा गया है कि यूएसएआईडी की मदद रुकने से बांग्लादेश में अन्य परियोजनाएं रुक जाएंगी लेकिन रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए सहायता राशि दी जाती रहेगी। यहां यह भी याद दिलाना जरूरी है कि बांग्लादेश में रह रहे रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए अमेरिका सबसे बड़ा मददकर्ता रहा है। शरणार्थियों के लिए मानवीय सहायता पर खर्च की जाने वाली मदद राशि का करीब आधा हिस्सा अकेले अमेरिका खर्च करता है। साल 2024 में इसके लिए यूएसए ने 300 मिलियन डॉलर की मदद दी थी।

2024 में 70 हजार शरणार्थी

म्यांमार से पहुंचे बांग्लादेश:

बांग्लादेश में दशकों से लाखों लोग शरण लेकर रह रहे हैं और 2024 में करीब 70 हजार शरणार्थी म्यांमार से सीमा पार कर यहां पहुंचे हैं। अराकान सेना के रूप में जानी जाने वाली विपक्षी सेना ने सैन्य जुटा से लड़ाई के दौरान रखाइन प्रांत पर कब्जा कर लिया।

ट्रंप की नीति आर्थिक-टैरिफ आतंकवाद : रामदेव

जयपुर टाइम्स

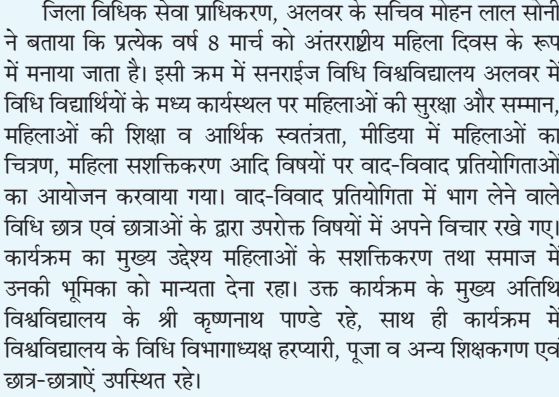
नागपुर(एजेंसी) पतंजलि आयुर्वेद के सह-संस्थापक रामदेव ने रविवार को कैलिफोर्निया में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की निंदा की। उन्होंने कहा कि भारत को धार्मिक आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए पहल करनी चाहिए। नागपुर में एक कार्यक्रम बनाने की जरूरत है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को लेकर भारत का जिक्र किए जाने के मामले पर भी बात की।

ट्रंप की टैरिफ नीति पर पूछे गए सवाल पर रामदेव ने दावा किया कि यह एक तरह का आर्थिक आतंकवाद और टैरिफ आतंकवाद है। यह दुनिया को एक अलग युग में ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में बन रहे खतरनाक हालात के बीच हमें भारत को शक्तिशाली और विकसित बनाने की जरूरत है, क्योंकि कुछ शक्तिशाली देश दुनिया को विनाश की ओर ले जाना चाहते हैं। नागपुर के मिहान में पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क के उद्घाटन के मौके पर बोलते हुए पत्रकारों से बातचीत के दौरान योग गुरु ने यह भी कहा कि मराठ राजा छत्रपति शिवाजी

महाराज लोगों के आदर्श हैं, न कि मुगल सम्राट औरंगजेब। ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ वाले फैसले पर योग गुरु ने कहा कि %बौद्धिक उपनिवेशवाद का एक नया युग शुरू हो गया है। जब से ट्रंप सत्ता में आए हैं, उन्होंने %टैरिफ आतंकवाद% का एक



नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने गरीब और विकासशील देशों को धमकाकर लोकतंत्र को खत्म कर दिया है। यह आर्थिक आतंकवाद है। वे दुनिया को एक अलग युग में ले जा रहे हैं। वर्तमान हालात में भारत को विकास की जरूरत है। सभी भारतीयों को एक मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए एकजुट होना चाहिए और इन सभी विनाशकारी शक्तियों को जवाब देना चाहिए।



केन्द्रीय मंत्री यादव ने श्रीमद्भागवत कथा कार्यक्रम में शिरकत की



इस दौरान रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, पूर्व विधायक रामहेत यादव, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, संजय नरूका सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।



समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करें। नगर निगम आयुक्त ने इसके साथ ही अवेडकर नगर के पास स्थित मैकेनाइज्ड कचरा टॉयसफ्ट स्पेज का भी निरीक्षण किया।

जयपुर टाइम्स

अ ल व र (न स) ।
आई.एम.ए.हाल, राजकीय राजीव गाँधी सामान्य चिकित्सालय कैम्पस, अलवर में रविवार को होली खेह मिलन समारोह एवं जोनल मीटिंग का आयोजन साय 7 बजे किया गया। डॉ. मित्तल ने बताया कि दोनो कार्यक्रमों के मुख्य अतिथि राज.आई.एम.ए. नवीन प्रदेशाध्यक्ष डॉ.एम.पी.शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. रजनीश शर्मा एवं प्रदेशाध्यक्ष, डॉ.पी.सी.गंग प्रदेश महासचिव, डॉ. रूप सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष, डॉ.योगेन्द्र शर्मा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अलवर, डॉ. सुनील चौहान - प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, अलवर, डॉ. महेश बैरवा उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अलवर एवं विशेष अतिथि अमित मीणा अग्निशमन अधिकारी, अलवर तथा शाखा अध्यक्ष व टीम भिवाड़ी, बहरोड़ी, कोटपूतली भरतपुर, बांदीकुई धौलपुर, करौली, दोसा, सवाई माधोपुर थे। आई.एम.ए.अलवर सचिव डॉ. विजय सिंह चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ चन्दन तिलक एवं फूलों की होली द्वारा पानी बचाव का सन्देश देने पश्चात अतिथियों द्वारा गणेश जी की मूर्ति पर दीप प्रज्वलन करके माला पहनाकर किया गया स्वागत उद्बोधन में आई.एम.ए. अलवर अध्यक्ष डॉ. एस.सी. मित्तल ने सभी को होली की बधाई देते हुए सभी के मंगल एवं सुखी जीवन को कामना करी साथ ही सभी पथारे हुए अतिथियों का हार्दिक धन्यवाद प्रेषित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष डॉ.एम.पी.शर्मा, डॉ. रजनीश शर्मा, डॉ.पी.सी.गंग, डॉ. रूप सिंह का धन्यवाद ज्ञापित किया कि इतने कामती समय में से वक्त निकलकर अलवर शाखा को समययोज दिया।जोनल मीटिंग के अंतर्गत मेडीकल संवाद व समस्या समाधान पर चर्चा की गयी, उसके बाद रात्रि 8 से मातादीनी एण्ड पार्टी द्वारा राजस्थानी डांस की प्रस्तुति दी गयी। सभी अतिथियों को प्रतीक

इस मौक़ पर प्रदेशाध्यक्ष डॉ. एम.पी. शर्मा ने बताया कि प्रदेश में इकाईयों में कितने सदस्य हैं तथा हर शहर में क्या क्या कार्य हो रहे हैं तथा नवीन कार्यकारिणी द्वारा आने वाले वर्ष में क्या क्या कार्य किये जाने की योजना है जिसकी विस्तृत जानकारी प्रदान की।

सर्वस्वमर्मात् स सुरेश गणैक वा
अधश्च, पश्येद्यमको सचिव औ
अशोक गुप्ता को कोषाध्यक्ष पद पर
पुनःनिर्वाचित किया गया।
इस हेतु आर्याजीत साधारण
सभा की बैठक में चुनाव कार्यक्रम
इस अवसर पर उत्तराखण्डीय
महिला दिवस के अन्तर्लक्ष्य में
आर.एस.एफ.के विभाग प्रचारक
नरेन्द्र भारत ने समाज में महिलाओं
की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने
विचार रखे।

साधारण सभा के उपरान्त शाखा

शुद्ध आहार मिलावट पर वार: कातर छोटी में 6 नमूने लिए

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा और मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज शर्मा के निर्देश पर शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग टीम ने रविवार



को कातर छोटी में 6 नमूने लिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन सिंह बाजिया ने बताया कि गोदारा मावा भंडार से मावा, घी, दूध व कृष्ण मावा भंडार से मावा, बिग्गा इन्स्ट्रीज से मुंगफली तेल, गणेश मिष्ठान भंडार से कलाकंद का नमूना लेकर प्रयोगशाला जयपुर भिजवाए गया। खाद्य पदार्थ की जांच रिपोर्ट अमानक पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। दूध व दूध से निर्मित खाद्य पदार्थ व मिठाईयां तैयार करने वाले दुकानदारों को साफ सफाई रखने व गुणवत्ता युक्त खाद्य समग्री को काम में लेने के लिए पाबंद किया।

डॉ. अनूश्री डायनोस्टिक की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को मिली नई सौगात, हर माह लगेगा कैंसर स्क्रीनिंग शिविर

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू (निस)। डॉ. अनूश्री डायनोस्टिक सेंटर झुंझुनू की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के लिए एक अनूठी पहल की शुरुआत की गई है। जांच केंद्र संचालिका रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अनूश्री ने बताया कि नारी सशक्तिकरण के लिए बियोड केयर फॉर हर कार्यक्रम शुरू किया गया है। जिसके तहत हर माह की आठ तारीख को महिलाओं के लिए हेल्थ चेकअप शिविर लगाया जाएगा। शिविर के दौरान दो महिलाओं को निशुल्क कौशल प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। जिसमें जांच केंद्र पर उल्लब्ध मशीनों की जांच के बारे में विस्तार से टैक्निकल जानकारी दी



जाएगी। इसके साथ-साथ महिलाओं के लिए हर माह कैंसर की स्क्रीनिंग की जाएगी। रेडियोलॉजिस्ट डॉ. सुनील कुमार सैनी ने बताया कि वर्तमान में कैंसर के मामले बहुत ज्यादा बढ़ते जा रहे हैं। खासकर महिलाओं में इस रोग के बढ़ने की संभावना ज्यादा बनी रहती है। इसलिए उनको जागरूक करने के उद्देश्य से ये शिविर लगाए जाएंगे। ताकि महिलाएं रोग के प्रति जागरूक हो और अपनी देखभाल समय पर उचित तरीके से कर सके। क्योंकि महिलाओं में स्तन, गर्भाशय, सर्वाइकल आदि के कैंसर के मामले ज्यादा बढ़ रहे हैं।

आज निकलेगी निशान यात्रा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। श्याम शखा मंडल सुजानगढ़ की ओर से आयोजित श्याम महोत्सव 2025 के अंतर्गत श्याम निशान यात्रा कैलाशपुरी मंदिर से नया बस होते हुए शहर की मुख्य मार्ग से गांधी चौक नया बाजार घंटाघर होते हुए जवर रोड से नया बस क्लब पहुंचेगी रात्रि



को दिव्य जोत से कार्यक्रम का आगाज होगा जिसमें महावीर सांखला और पाटी अपने भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। मंडल के मंत्री महेश सोनी ने बताया कि 11 मार्च को सुबह बाबा श्याम की धमाल महाआरती होगी और विशाल भंडारा प्रसाद होगा जिसकी तैयारी में मंडल के सभी सदस्य कार्यक्रम की व्यवस्था में लगे हुए हैं।

जिला परिषद सीईओ गौरव बुड़ानिया ने किया निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निस)। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया रविवार को पंचायत समिति बामनवास की ग्राम पंचायत बरनाला पहुंचे। जहाँ उन्होंने माडा योजना अंतर्गत संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के नव निर्माणधीन विद्यालय भवन के हॉस्टल परिसर के निर्माण कार्य का किया निरीक्षण।इस दौरान उन्होंने



विद्यालय में अध्वन्यरत विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई, भोजन की गुणवत्ता सहित विद्यालय की गतिविधियों की ली जानकारी। विद्यालय के प्राचार्य पीएल भीना द्वारा कुछ लोगों द्वारा विद्यालय आने वाले रास्ते पर अतिक्रमण करने की जानकारी दी। इस पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने विकास अधिकारी बामनवास को जांच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

अधिवक्ता हत्याकांड पर कार्रवाई मांग को लेकर माहेश्वरी समाज प्रतिनिधिमंडल ने भागीरथ चौधरी को दिया ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

किशनगढ़ (निस)।केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के किशनगढ़ स्थित निवास कार्यालय पर आयोजित जनसुनवाई के दौरान रविवार को माहेश्वरी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने पुष्कर में अधिवक्ता पुरुषोत्तम जाखेटिया की निर्मम हत्या को लेकर गहरी नाराजगी जताई और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।जनभावनाओं को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी जी ने तुरंत संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस तरह की जघन्य घटनाओं को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर्ससंभव प्रयास किए जाएंगे और इस मामले को उचित स्तर तक उठाया जाएगा।

समाज और पीड़ित परिवार के साथ खड़े रहेंगे :

केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने प्रशासन से त्वरित कार्रवाई करने और दोषियों को



कड़ी सजा दिलाने की अपील की है, ताकि समाज में न्याय और कानून व्यवस्था का विश्वास बना रहे।

केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने स्पष्ट किया कि ऐसी घटनाओं को

रोकने और न्याय दिलाने के लिए वे पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने समाज से अपील की कि शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखें, लेकिन न्याय की मांग में किसी भी स्तर पर कमी नहीं आने दी जाएगी।

भगवान का नाम ही भव पार कराने वाला है: कृष्णानन्द

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। हंडिया बाबा आश्रम में हट्टीनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि पर आयोजित नानी बाई के मायरे की कथा में तीसरे दिन कृष्णानंद महाराज ने भगवान के नाम जप की महिमा सुनाते हुए कहा कि भगवान के नाम जप से मन और आत्मा शुद्ध होती है भगवान के नाम जप से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और भक्त भगवत प्राप्ति और मोक्ष प्राप्त करता है। सदैव भगवान के नाम का जप करने से व्यक्ति के कष्ट दूर हो जाते हैं। जीवन में सुख-शांति मिलती है। महाराज ने बताया कि कलियुग में

केवल भगवान का नाम ही भव पार कराने वाला है जो व्यक्ति पूर्ण विश्वास के साथ नाम जप करता है वह मनुष्य सभी संकटों से मुक्त रहता है। कथा में संत चिमा बाबा, रमेश



नाथ, सुखनाथ, गंगा नाथ, नारायण प्रसाद, महेश प्रजापत, जयचंद पारीक, सीताराम प्रजापत, प्रदीप पारुल आत्रेय, पवन सैनी, गोपी कृष्ण चौमाल, भरत धर्द, ताराचंद इंदौरिया, जनक सिंह आदि उपस्थित रहे।

मंत्री ने बताया कि सरकार पंचायतों को बर्तन बैंक बनाने के लिए एक लाख रुपए तक की सहायता दे रही है।

निःशुल्क कंप्यूटर कोर्स का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। कस्बे में संचालित निट्स कंप्यूटर सेंटर पर महिला और बाल विकास विभाग की ओर से चर्चनित महिलाओं और बालिकाओं के निशुल्क कम्प्यूटर कोर्स आरएससीआईटी व आरएससीएफए का शुभारंभ किया गया। जिसकी अध्यक्षता नगरपालिका वार्ड पार्षद सांवरमल सैन ने की। इस अवसर पर पार्षद ने महिला शिक्षा और सरकार की ओर से चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि योजनाओं को जन जन तक पहुंचाना हम सबका कार्य है और वर्तमान युग कंप्यूटर का है कंप्यूटर सभी को सीखना चाहिए। महिलाओं और बालिकाओं को वर्तमान शिक्षा के साथ रहना चाहिए और कंप्यूटर की जानकारी भी रखनी चाहिए क्योंकि सरकार के विभिन्न नौकरियों में आजकल कंप्यूटर की मांग की जाती है, साथ में वार्ड पार्षद नन्दलाल टेलर, गजानंद प्रजापत, मंजुलता प्रजापत ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा शिक्षा पर ध्यानकर्षण करने के लिए सबको कंप्यूटर सीखने का बताया। वर्तमान समय पूरा कंप्यूटर का है और प्रत्येक व्यक्ति की जरूरत भी है। मंजुलता प्रजापत ने विद्यार्थियों को अच्छे अंक कैसे प्राप्त होते हैं व जीवन में सफलता कैसे मिलती है इसके टिप्स



बताएं। गजानंद प्रजापत ने बीमा सखी की जानकारी देते हुए रोजगार के टिप्स बताएं। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों ने चर्चनित 38 महिलाओं बालिकाओं को कोर्स की किताब भेंट की। इस अवसर पर सेंटर निदेशक परमेश्वर लाल मारोठिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि सेंटर पर 38 बालिकाओं का

राज्य सरकार की ओर से संचालित निशुल्क कंप्यूटर कोर्स में चयन हुआ है जिनका प्रशिक्षण शुरू हो गया है। यह प्रशिक्षण 3 महीने तक चलेगा। तत्पश्चात परीक्षा होकर प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इस अवसर पर दिव्या प्रजापत, कविता सिद्ध, ममता राठौड़, रामेश्वर नागपुरिया, पूनमचंद मारोठिया आदि मौजूद रहे।



मंदिर ठिकाना गलताजी में बिखरेंगे ब्रज अवध फागोत्सव के रंग

☐ सोमवार को दोपहर 12 बजे होगा फागोत्सव का आयोजन

☐ जिला प्रशासन ने फागोत्सव की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। मंदिर ठिकाना गलताजी में श्रद्धालु सोमवार को फाग के रंग से सराबर होंगे। जिला प्रशासन एवं देवस्थान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दोपहर 12 बजे से ब्रज अवध फागोत्सव का दिव्य एवं भव्य आयोजन किया जाएगा।

अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय आशीष कुमार ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में ब्रज अवध फागोत्सव के रंगारंग आयोजन के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया है। गोपूजन, तिलक आशीर्वाद एवं हरि कीर्तन मानस पाठ के साथ फागोत्सव का आगाज होगा। इसके पश्चात रंगोली प्रतियोगिता, बाल राम-कृष्ण छवि प्रतियोगिता एवं

जन-जन भगवान झांकी प्रतियोगिता के आयोजन के बाद ब्रज अवध फागोत्सव में कलाकार भक्तिमय रंगारंग प्रस्तुतियां देंगे। तो वहीं, महा आरती एवं महाभोग का आयोजन भी किया जाएगा।उन्होंने बताया कि गलता तीर्थ मन्दिर के इतिहास में पहली बार आयोजित हो रहे इस फागोत्सव में विभिन्न समाजों, धार्मिक संगठनों व आमजन के लिए फूलों की होली के साथ ब्रज की सुप्रसिद्ध फूल होली एवं शेखावाटी के चंग-धमाल के कलाकारों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र होंगी। गौरतलब है कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने मंदिर ठिकाना गलता जी में ब्रज अवध फागोत्सव के दिव्य, भव्य एवं सफल आयोजन के लिए नगर निगम, पुलिस विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, नागरिक सुरक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। वहीं, उपखंड अधिकारी जयपुर प्रथम श्री राजेश जाखड़ को ब्रज अवध फागोत्सव के आयोजन हेतु समस्त आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए समग्र प्रभारी नियुक्त किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण आज की महती आवश्यकता : मदन दिलावर

जयपुर टाइम्स

नागौर(निस)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर ने सेठ किशन लाल कांकरिया राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मैदान में आयोजित पर्यावरण संगोष्ठी एवं प्रतिभा प्रोत्साहन मेले का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को समय की महती आवश्यकता बताते हुए पॉलिथीन का उपयोग बंद करने की अपील की। दिलावर ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण गंदगी है, जिसे हम अपनी आदतों में सुधार कर रोक सकते हैं। उन्होंने पॉलिथीन के स्थान पर कपड़े की थैली, डिस्पोजल आइटम्स के बजाय स्टील के बर्तन अपनाने का आग्रह किया।

मंत्री ने बताया कि सरकार पंचायतों को बर्तन बैंक बनाने के लिए एक लाख रुपए तक की सहायता दे रही है।



मपना सस्‍थान व नगर परिषद् नागौर द्वारा आयोजित त संगम (मेला)-2025

सभा में उपस्थित लोगों को मंत्री ने पॉलिथीन का उपयोग न करने की शपथ

दिलाई। इसके बाद उन्होंने क्रीड़ा भारती की खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ भी किया।

कानूड़ा लाल घड़लो म्हारो भरदे रे...

जयपुर टाइम्स

चुरू(निस)।स्थानीय गढ़ चौराहे पर शनिवार को शानदार फागोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान राजा बल के दरबार मंडी रे होळी रे....., कानूड़ा लाल घड़लो म्हारो भरदे, ओ देवर म्हारो रे.....जैसे अनेक धमालों पर दर्शक झूम उठे। कार्यक्रम बुंटीनाथ आश्रम के महंत निरंजन नाथ, झारिया धाम के सानिध्य में हुआ। इस दौरान रमाकान्त भाऊवाला, अजीत, नमन, आयुष, मानस व पंकज ने विधायक हरलाल बसराण व भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा का मार्लयापण कर, साफा पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर बांसुरी वादक सोहन शर्मा, मुन्ना शर्मा, राजेश सैनी, नगारा वादक पं. उमेश व्यास, सुनील व्यास, गायक



राकेश दाधीच, नीरज गौड़, नोगा पण्डित, इन्तजार, उमेश दाधीच को दुपट्टा पहनाकर व सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर 93 वर्षीय मोतीलाल सोनी ने भी तुमके लगाए। कार्यक्रम में श्याम सुंदर शर्मा, अभिषेक चोटिया, दीनदयाल सैनी, अमित, सुरेश सारस्वत, घनश्याम शर्मा, सुशील बजाज, सुरेश बजाज, विनोद बागला, सुशील अग्रवाल, राकेश गोयल, अनिल कानखेडिया, विनोद सरावगी, मोहन चुलेट, राजेश शर्मा, राकेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम का आनंद उठाया।

होली पर कानून व्यवस्था को लेकर सीएलजी की बैठक

जयपुर टाइम्स

मण्डवा(निस)। मण्डवा में होली त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर रविवार को थाना परिसर में डीएसपी हरिसिंह धायल ने सीएलजी सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में सीएलजी सदस्यों ने कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई सुझाव दिए। संदीप शर्मा ने जुलूस के दौरान बाइक चालकों पर वैन व होली दहन स्थलों पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि कस्बे में कुछ स्थानों पर होली दहन के समय बड़ी संख्या में लोग एकत्र होते हैं। ऐसे स्थानों की पहचान कर वहां पुलिस तैनात की जाए। सुभाष चौक पर लगने वाले जाम की समस्या को भी उठाया। उन्होंने बताया कि सुबह से शाम तक लगने वाले जाम से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बैठक में संदीप शर्मा, पार्षद संदीप पहिरा, राजेश रणजीरोत, हजरत मो आमीन कारी, अब्दुला चौहान, हाजी फारूख जमाल खत्री,पूर्व पार्षद कैलाश पीपलवा, संजय परिहार, हरीराम कुमास, सुभाष टेलर, विजेंद्र सैनी, निकिता कपिल बाबलिया, अनुराधा, ममता शर्मा, रामबाबू पारीक, सुरेन्द्र शर्मा वाहीदपुरा, आयूष भाटी, बाबूलाल सैनी, आसिफ कुहाड़, परमेश्वर मिठवास, महेंद्र लुमास, हितेश प्रजापति, श्रवण सैनी, नरेंद्र सिंह भाटी, संत कुमार, विमल कुमार, अंकित कुमार, नितिन कुमार और अन्य सीएलजी सदस्य मौजूद रहे। सभी ने त्योहार को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने के लिए अपने विचार रखे।

सुविचार

जब-जब हम चुप रहकर सब बर्दाश्त कर लेते है, तब तो दुनिया को अच्छे लगते है;एकाद बार सच्चाई बयां कर दो, तब सबसे बुरे लगने लगते है।

संपादकीय✍

अत्याचारी का गुणगान क्यों?

इंटरनेट के ज़माने में लोग सुर्खियां बटोरने के लिए क्या-क्या नहीं करते! कुछ नेताओं ने तो इसके जरिए प्रसिद्धि पाने का बढिया फॉर्मूला ढूंढ लिया है ... 'कुछ भी उल्टा-सीधा बोलें, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करें, कुछ समय बाद यह दावा कर दें कि मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया।' तब तक टीवी डिबेट में जाए रहें। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आसिम आजमी को और कुछ न सूझा तो मुगल बादशाह औरंगजेब का गुणगान कर बैठे। इनका 'तर्क' है कि तब 'हमारा जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) (विश्व जीडीपी का) 24 प्रतिशत था और भारत को (औरंगज़ेब के शासन काल के दौरान) सोने की चिड़िया कहा जाता था।' क्या किसी शासक का मूल्यांकन करने का एकमात्र आधार 'धन-दौलत' है? क्या अबू आजमी औरंगजेब की बड़ाई कर महाराष्ट्र में अपनी पार्टी का जनाधार बढ़ाने का दांव चल रहे हैं, जो काफी कोशिशों के बावजूद कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई है? महाराष्ट्र की जनता इतनी जागरूक है कि अब ये पैंतरे काम नहीं आने वाले। औरंगजेब ने कितनी क्रूरता, बर्बरता और निर्दयता से शासन किया था, अब यह किसी से छिपा नहीं है। वास्तव में औरंगजेब कई बुराइयों का प्रतीक है। उसने अनगिनत हिंदू मंदिर तोड़े थे, जजिया कर लगाया था, तीर्थस्थलों का अपमान किया था। उसकी क्रूरता के निशान आज भी देखे जा सकते हैं। ऐसे शख्स के शासन काल की दो-चार बातों को आधार मानकर उसे इस तरह पेश करना कि गोया 'वह कोई महान हस्ती था', तो यह अस्वीकार्य है। अगर अर्थव्यवस्था की बेहतरी ही किसी शासक के श्रेष्ठ होने का प्रमाण है तो इस आधार पर हिटलर का भी गुणगान होने लेंगा, चूंकि जब उसने जर्मनी की बागडोर संभाली थी तो उद्योग-धंधों को काफी बढ़ावा मिला था। क्या इससे उसके गुनाहों को नजर-अंदाज़ किया जा सकता है?

अबू आजमी यह भी कहते हैं कि औरंगजेब के शासन काल में भारत की सीमा अफगानिस्तान और म्यांमार तक पहुंच गई थी। वे यह क्यों भूल जाते हैं कि औरंगजेब ने सीमा विस्तार से पहले क्या-क्या कांड किए थे? उसने अपने पिता और भाइयों के साथ कैसा सलूक किया था? दारा शिकोह की जिप्स तरह हत्या करवाई गई, उसका विवरण पढ़कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इस पर भी अबू आजमी अपने फेसबुक पेज पर औरंगजेब का नाम बहुत ही आदर से लिखते हैं, जैसे उसने मानवता की बहुत बड़ी सेवा की थी! औरंगजेब के बारे में कुछ कथित इतिहासकारों ने बड़ी भ्रामक बातें फैला रखी हैं। ये विरोधाभासी भी हैं। एक तरफ कहा जाता है कि औरंगजेब टोपी सिलाई कर अपना खर्च चलाता था, दूसरी तरफ कहा जाता है कि वह राजकाज और सीमा विस्तार आदि में बहुत ज्यादा व्यस्त रहता था, उसकी ज़िंदगी का आखिरी हिस्सा सैन्य अभियानों में ही गुजर गया था! ये दोनों बातें एकसाथ कैसे संभव हैं? एक तरफ कहा जाता है कि औरंगजेब अपने लिए राजकोष से कुछ नहीं लेता था, दूसरी तरफ कहा जाता है कि उसका बहुत रौब था, पांच दशक तक मजबूती से राज किया! सवाल है-कौन अधिकारी या इतिहासकार ऐसे बादशाह से हिसाब मांग सकता था? क्या उसे अपनी गर्दन सलामत नहीं चाहिए थी? जब प्राकृतिक संपदा और कीमती धातुओं से संपन्न देश पर कब्जा था तो खर्च की किसे फिक्र थी, रोकने वाला कौन था? औरंगजेब के समर्थन में कहा जाता है कि कई हिंदू राजा और उनके सैनिक भी उसके पक्ष में लड़े थे ... अगर वह इतना ही बुरा होता तो ये लोग उसके साथ क्यों थे? असल में यह बहुत बचकाना तर्क है। कई हिंदू राजा और उनके सैनिक तो (विभिन्न परिस्थितियों में) अंग्रेजों के साथ भी रहे थे। क्या इस आधार पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद के गुनाह भुला दें? जो राजा अंग्रेजों के साथ थे, वे अपना राजपाट बचाने के लिए ऐसा कर रहे थे और जो सैनिक उनके झंडे तले खड़े थे, वे अपने सेनापति का आदेश मान रहे थे। यह न भूलें कि वर्ष 1857 में कई राज परिवार अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति में कूदे थे, कई सैनिकों ने अंग्रेजों पर धावा बोल दिया था। उनका एक ही मकसद था- 'अंग्रेजों के अत्याचारों से मुक्ति'। इसी तरह औरंगजेब के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोबिंद सिंहजी महाराज जैसे दिव्य पुरुष आए थे। हमारे आदर्श ये होने चाहिए, न कि कोई अत्याचारी बादशाह।

ट्वीटर टॉक



आज पर्यटन मंत्रालय में अधिकारियों-सहयोगियों के साथ सबकी साझेदारी से विकसित भारत का विजन देने वाले हमारे प्रिय प्रधानमंत्री जी को पोस्ट बजट वेबिनार में सुना। हमेशा की तरह उनसे समावेशी विकास का मंत्र मिला।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कोई भूखा न सोए की भावना के साथ हमारे कार्यक्रमाल में इंदिरा रसोई की शुरुआत की गई थी। भाजपा सरकार आने के बाद इस योजना का नाम बदल कर अन्नपूर्णा योजना कर दिया। नाम बदलने के बाद इस योजना को मजबूत करने का संकल्प करना चाहिए था।

-अशोक गहलोत



परम पूज्य दयालु संत श्री श्री 1008 बालकदास जी महाराज के देवलोक गमन उपरांत, आज श्री राम भरोसे गोशाला आश्रम, जैतपुर में आयोजित सत्रहवीं भंडारा सभा में सम्मिलित होकर पूज्य गुरुदेव को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

धर्म में जीवनरक्षा

काशी के राजा ब्रह्मदत्त के शासन में धर्मपाल नाम का एक ब्राह्मण रहता था। वह बड़ा ही धर्मनिष्ठ और सदाचारी था। धर्मपाल ने अपने पुत्र को तक्षशिला पढ़ने के लिए भेजा। एक दिन किसी प्रसंगवश उस युवक ने अपने गुरु से कहा- 'गुरुदेव! हमारे कुल में सात पीढ़ियों से कोई युवावस्था में नहीं मरा।' आचार्य विद्यार्थी की बात का सत्य जानने के लिए विद्यालय को दूसरे की देख-रेख में सौंपकर काशी रवाना हुए। रास्ते में उन्होंने बकरी की कुछ हड्डियां लीं और काशी में जाकर धर्मपाल ब्राह्मण से बोले, 'बहुत दुःख की बात है, तुम्हारा पुत्र असमय मृत्यु को प्राप्त हो गया।' यह सुनकर धर्मपाल हंसने लगा और बोला, 'महाराज! कोई और मरा होगा, हमारे कुल में सात पीढ़ियों से कोई युवा नहीं मरा।' आचार्य बोले, 'ये हड्डियां तुम्हारे लड़के की हैं।' धर्मपाल ने उन्हें बिना देखे ही कहा, 'यह हड्डियां भेड़-बकरी की होंगी, ये हमारे परिवार से किसी की नहीं हो सकती।' अंत में आचार्य ने सच बताया और उनके कुल में सात पीढ़ियों से किसी युवा की मृत्यु न होने का रहस्य पृष्ट। धर्मपाल ने कहा, 'महाराज! हम धर्म का आचरण करते हैं, सत्य बोलते हैं, जरूरतमंदों की सेवा करते और दान देते हैं। इस प्रकार धर्म की रक्षा करने पर धर्म हमारी रक्षा करता है।'

सामयिक

धनंजय मुंडे के इस्तीफे से महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान?

अशोक भाटिया

मो.: 9221232130

महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे का इस्तीफा राजनेताओं और अपराधियों की मिलीभगत का जीवंत व ताजा उदाहरण है। यह सांडगांव इस हद तक है कि धोखाधड़ी, कमिशनखोरी, रंगदारी वसूली, मारपीट और हत्याओं तक बात पहुंच जाती है। आरोपों से लगता है कि धनंजय शायद इसी जाल में फंसे हैं। बीड़ जिले के मरसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या इसी कड़ी का हिस्सा है। इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी वाल्मिकि कराड और उनके गिरोह के साथियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। उनसे अपनी करीबी कबूल कर धनंजय भी गिरफ्त में आ गए। धनंजय मुंडे महाराष्ट्र सरकार में खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग संभाल रहे थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंत्री पद से इस्तीफा देने को कहा था। इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए फडणवीस ने कहा, 'महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने आज अपना इस्तीफा दे दिया है। मैंने इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और आगे की कार्रवाई के लिए इसे राज्यपाल के पास भेज दिया है।'

यहां बीड़ जिले में स्थित मरसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की पिछले साल दिसंबर में बड़ी निमंमता से हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मुंडे के करीबी वाल्मिकि कराड को गिरफ्तार किया गया है। इस हत्याकांड की कुछ चौकाने वाली तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें साफ दिखायी दे रहा है कि सरपंच को कैसे पहले निर्दय किया गया। फिर उन्हें बेरहमी से पाइप और दूसरे हथियारों से पीटा गया। एक तस्वीर में दिख रहा है कि सरपंच देशमुख अघमरी हालत में पड़े हुए, तब उन पर आरोपी सुदर्शन चुले ने पेशाब भी किया गया। इस मामले में मुख्य आरोपी वाल्मीकी कराड एनसीपी नेता और मंत्री धनंजय मुंडे का खास आदमी बोला जाता है। इस मामले में कांग्रेस विधायक और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय वडेहीवार ने हत्याकांड से जुड़ी तस्वीरें शेयर करते हुए महायुति सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि 'बीड़ कांड में हैवानों की ये तस्वीरें और वीडियो पिछले 2 महीने से राज्य के गृह मंत्री, उपमुख्यमंत्री के पास थीं। और फिर भी आपने धनंजय मुंडे का इस्तीफा न लेकर नैतिकता की हत्या कर दी।' उन्होंने आरोप लगाया कि 'पुलिस स्टेशन में सीसीटीवी बंद करने के बाद वाल्मिकि कराड को पुलिस हिरासत में सभी पांच सितारा सुविधाएं दी गईं। ये सब क्यों? जहां महागठबंधन के मंत्री धनंजय मुंडे के खासमखास और उनके बिना इस मंत्री का पत्रा नहीं हिलता, वहीं हैवान वाल्मीकी कराड और उनके साथियों पर गृह मंत्री, उपमुख्यमंत्री और पुलिस का लाड़-प्यार था। पूरे महाराष्ट्र को गुस्सा दिलाने वाली संतोष देशमुख की हत्या की तस्वीर अब महाराष्ट्र के सामने आ गई है। लेकिन इस सरकार ने धनंजय मुंडे का इस्तीफा स्वीकार करने की हिम्मत नहीं दिखाई। इस्तीफा देने में बहुत देर हो चुकी है,



मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को अब इस्तीफा दे देना चाहिए।'

गौरतलब है कि इतने लंबे समय तक, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अजीतदादा पवार के वाहन के साथ एकजुट एनसीपी की राजनीतिक चुनौती को कुचलने की कोशिश की। एनसीपी विभाजित थी। भाजपा की रणनीति सफल रही। अब भाजपा अजितदादा और उनकी एनसीपी के अस्तित्व को कुचलने के लिए उसी बर्तन का इस्तेमाल करेगी, जिनके पैर वहां थे। मीडिया ने पहले ही संकेत दिए थे कि धनंजय मुंडे का इस्तीफा ले लिया गया था। पहला संकेत यह है कि मीडिया ने जो भविष्यवाणी की थी वह सच होने लगी है। यह अंतिम नहीं है, बिल्कुल। अब इस सरकार के माणिकराव कोकाटे इसका शिकार होंगे। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के मंत्रियों के कुछ मामले सामने आए तो चौंकिएगा मत।

यह एक काले पत्थर पर एक रेखा थी जिसे उन्हें उन्हें देना था। मीडिया ने कुछ समय से मुंडे को मंत्रिमंडल से हटाने की आवश्यकता व्यक्त की थी और कहा था कि यदि वह या उनके नेता अजितदादा अपने आप इस्तीफा देने के लिए तैयार नहीं हैं, तो मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा था कि मुंडे को उनका हाथ पकड़कर निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। मुंडे ने स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं दिया है। इसमें महीनों नहीं लगे होंगे। धनंजय मुंडे का इस्तीफा तब लिया गया जब यह महसूस किया गया कि उनका मामला बहुत गंभीर होगा। मुख्यमंत्री फडणवीस मुंडे और अजीतदादा के लिए ऐसा समय लेकर आए। यह मुंडे महाभारत पिछले तीन महीने से चल रही है। मुख्यमंत्री ने आधिकारिक तौर पर इसे 'अजीतदादा का फैसला' बताया। यानी अजीतदादा को यह तय करना चाहिए कि मुंडे को मंत्रिमंडल में रखना है या नहीं क्योंकि वह अजितदादा की पार्टी के हैं। सिद्धांत रूप में या कागज पर, यह उचित है, लेकिन केवल कागज पर। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुख्यमंत्री ने 'आप इस्तीफे के बारे में देखते हैं' का रुख अपनाया है, लेकिन साथ ही, उन्होंने भाजपा विधायक सुरेश दास या कथित सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया को चुप करा दिया, जो मुंडे के पीछे हाथ धो रही थीं। नहीं। दमानिया की बात को कुछ समय के लिए छोड़ा जा सकता है। क्योंकि वह भाजपा की आधिकारिक सदस्य नहीं हैं। लेकिन उनके बारे में क्या? मुख्यमंत्री का

प्रत्यक्ष हित हो भी सकता है और नहीं भी: लेकिन फडणवीस ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में उपस्थिति दर्ज कराई और एक सार्वजनिक बयान दिया और दास को अवाक रखा। यही बात दमानिया के साथ भी है। भले ही वह आधिकारिक तौर पर भाजपा से नहीं हैं, लेकिन उन्हें मुंडे के खिलाफ इतने दस्तावेज और 'अंदरूनी जानकारी' कैसे मिली। दूसरी तरफ पार्टी के बाहर से दमानिया और तीसरी तरफ मीडिया मुंडे के खिलाफ रेली करती रही और यह केवल तभी हुआ जब यह सुनिश्चित हो गया कि यह जारी रहा कि मुंडे को पद छोड़ना पड़ा। यह पढ़कर कोई भी हैरान रह जाएगा कि सीएम फडणवीस ने मुंडे को पहले ही नारियल क्यों नहीं दिया? इसका सीधा सा जवाब है: मुंडे जितने लंबे समय तक कैबिनेट में रहेंगे, भाजपा के लिए वह उतना ही सुविधाजनक होगा कि वह उन पर और उनके दिमाग में लाया होता, तो मुंडे को घर भेजा जा सकता था और मामला कभी शांत नहीं हो सकता था। लेकिन फिर वह राजनीति क्या है? यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष व्यवस्था करके कि सत्तारूढ़ गठबंधन के महत्वपूर्ण नेता के खिलाफ आग सत्तारूढ़ गठबंधन के महत्वपूर्ण नेता के खिलाफ आग को हवा देना जारी रखेगा, फडणवीस ने एक पार्टी को एक पत्थर में और दूसरे को उड़ाने के लिए अधिक शक्ति दी। जिस पार्टी को चोट लगी थी, वह निश्चित रूप से अजितदादा की राष्ट्रवादी है। और जिस पार्टी में उड़ान भरने की अधिक ताकत है वह विपक्ष है। यह मामला अब मुंडे तक सीमित नहीं रहेगा। धनंजय मुंडे अजीतदादा की ढाल थे। अब जब इसे हटा दिया गया है, तो अजीतदादा विपक्ष के चरण में होंगे।

उनका इस्तीफा टालकर उन्होंने एक तरह से उन्हें बचाने की कोशिश की, जिससे विपक्ष के हमले और तेज हो गए। यह एक बाघ की तरह है। एक बार जब यह मानव रक्त का स्वाद लेता है, तो इसे रुकना मुश्किल होता है। इन लोगों ने राजनीति में जो बोया है, वही उगने लगा है और यही उनको मिलने वाला है।

अजित दादा पवार के बाद भाजपा के लिए बाहरी लोगों को खुश रखने से ज्यादा जरूरी उन्हें गले लगाना है। इसे काव्यात्मक न्याय कहा जाता है। वही धनंजय मुंडे सच्ची कहानी सुनाकर खुश थे कि कैसे शरद पवार ने हाल तक अजीतदादा के साथ अन्याय किया था। मानो कथित अन्याय के निवारण की जिम्मेदारी उनके रिस पर है। अब उनके पास इस अन्याय को दूर करने के लिए केवल समय होगा। इन लोगों ने राजनीति में जो बोया है, वही उगने लगा है और यही उनको मिलने वाला है।

नजरिया

प्रधानमंत्री मोदी और जैव विविधता

मुकुंद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस पर ग्रह की अविश्वसनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, विश्व वन्यजीव दिवस पर हम अपने ग्रह की अविश्वसनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएंगे। इसमें हर प्रजाति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आइए आने वाली पीढ़ियों के लिए उनके भविष्य की रक्षा करें। हमें वन्यजीवों के संरक्षण और सुरक्षा में भारत के योगदान पर भी गर्व है। प्रधानमंत्री का वन्यजीव प्रेम किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने अपने गृह राज्य गुजरात में विश्व वन्यजीव दिवस पर जूनागढ़ जिले में स्थित गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लिया और एशियाई शेरों को करीब से देखा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डीएसएलआर कैमरे से एशियाई शेरों की तस्वीरें खींचते नजर आए। उन्होंने एक ऐसी भी तस्वीर खींची जिसमें मादा शेन्सी अपने शावक को दुलारती नजर आ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में एक वीडियो व्लिप भी अपलोड की। इसमें वो भारत की परंपरा में जैव विविधता के प्रति स्वाभाविक आग्रह का जिक्र कर रहे हैं। यह व्लिप 2023 की है। कर्नाटक के मैसूरु में प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूरे होने के स्मरणोत्सव कार्यक्रम में उन्होंने विचार रखे थे। उन्होंने दुनिया पर के वन्यजीव प्रेमियों के मन में अन्य देशों, जहां बाघों की आबादी या तो स्थिर है या फिर उसमें गिरावट हो रही है, की तुलना में भारत में बाघों की बढ़ती आबादी के बारे में उठने वाले सवालों को दोहराया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, भारत इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था के बीच संघर्ष में विश्वास नहीं करता, बल्कि वह दोनों के सह-अस्तित्व को समान महत्व देता है। यहां यह महत्वपूर्ण है कि जबसे मोदी सरकार आई है तब से



देश ने बाघों के संरक्षण में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। वर्ष 2012 में भारत में करीब 1,700 बाघ थे। वर्ष 2020 में उनकी संख्या बढ़कर 3,600 से भी ज्यादा हो गई है। यानी सिर्फ 12 साल में बाघों की संख्या दोगुनी हो चुकी है। आज, दुनिया के करीब 75 फीसद बाघ भारत में रहते हैं। यह वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक बड़ी सफलता है और हम सब भारतवासियों के लिए गर्व का पल है। यह सरकार और समाज के सामूहिक प्रयास से संभव हुआ है।

मोदी सरकार के कठोर प्रतिबंधों की भी इशमें बड़ी भूमिका है। सरकार ने बाघों के शिकार करने पर पूरी तरह से पाबंदी लगाई है। यही नहीं, बाघों के रहने वाले जंगलों को पूरी तरह से सुरक्षित किया गया ताकि वह अपना जीवन बिना किसी खतरे के जी सकें। बाघों के शिकार (जैसे हिरण) की संख्या पर ध्यान दिया गया ताकि बाघों को पर्याप्त भोजन

मिलता रहे। समाज को बाघों से जुड़ी जानकारी दी गई और गांवों में बाघों से जुड़े संघर्षों को कम करने के उपायों पर तेजी से काम किया गया। प्रधानमंत्री मोदी का जूनागढ़ जिले में स्थित गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लेना अनायास नहीं है। दरअसल भारत में शेरों की आबादी भी बड़ी है। वैसे भी देश में शेरों का संरक्षण एशियाई शेरों का घर है। एशियाई शेर सिर्फ गुजरात के गिर के जंगलों में पाए जाते हैं। इस क्षेत्र में संरक्षण प्रयासों ने शेरों की आबादी को 2015 में लगभग 523 से बढ़ाकर 2020 में लगभग 674 तक पहुंचा दिया। केंद्र सरकार की 15 अगस्त, 2020 को घोषित प्रोजेक्ट लायन महत्वपूर्ण पहल है। इसका

विपक्ष को रोकना मुश्किल होता है। और यहां, अजितदादा की एनसीपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना संभावित शिकारियों की सेना से लैस हैं। मुंडे के बाद अब नंबर कोकाटे होगा। अदालत ने निरसंदेह उन्हें भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराया है और अगर उनकी सजा पर रोक लगा दी जाती है, तो भी यह उनके खिलाफ दोष नहीं मिटाता है। इससे पहले जब सुनील केदार व अन्य के लिए समय आया तो सत्ता पक्ष ने उन्हें तत्काल नारियल देने की तत्परता दिखाई थी। इसलिए अब कोकाटे के कार्णों से फडणवीस कैबिनेट के दो सदस्यों को घर भेजने का समय होगा। ये दोनों अजितदादा की एनसीपी से हैं। वहीं, साफ है कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना पर भी बीजेपी का दबाव बढ़ेगा।

एक बात तो यह है कि उन्हें मनचाहे जिलों का संरक्षक भी नहीं दिया गया है। फडणवीस ने तानाजी सावंत, दीपक केसरकर और अब्दुल सत्तार जैसे नेताओं को दूर रखा, जो पार्टी के 'सर्व-संसाधन' हैं। दूसरी ओर, नई सरकार में शिंदे-सेना के पूर्व मंत्रियों के कई फैसलों को उलट दिया गया और कुछ की जांच की घोषणा की गई। अगर शिवसेना ने उचित सबक नहीं लिया, तो ऐसा नहीं है कि कुछ लोग 'मुंडे' नहीं होंगे। दूसरा, धनंजय मुंडे के खिलाफ इस कार्रवाई के बाद अजीतदादा की एनसीपी भी शिंदे-सेना में किसी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए जरूरी सक्रियता दिखाएंगी। ताकि भाजपा को जरूरत का गोला-बारूद मिल जाए और वह विपक्ष तक आसानी से पहुंच जाए। उद्भव ठाकरे की शिवसेना को नेता प्रतिपक्ष का पद दिया जाए और संभावित भाजपा विपक्ष को चुप करा दे दे तो बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं होगा।

'आने-जाने' वाले एकनाथ शिंदे और अजित दादा पवार के बाद भाजपा के लिए बाहरी लोगों को खुश रखने से ज्यादा जरूरी उन्हें गले लगाना है। इसे काव्यात्मक न्याय कहा जाता है। वही धनंजय मुंडे सच्ची कहानी सुनाकर खुश थे कि कैसे शरद पवार ने हाल तक अजीतदादा के साथ अन्याय किया था। मानो कथित अन्याय के निवारण की जिम्मेदारी उनके रिस पर है। अब उनके पास इस अन्याय को दूर करने के लिए केवल समय होगा। इन लोगों ने राजनीति में जो बोया है, वही उगने लगा है और यही उनको मिलने वाला है।

उद्देश्य लंबे एशियाई शेरों के भविष्य को सुरक्षित करना है।

गुजरात में शेरों की संख्या और स्वास्थ्य की निगरानी के लिए नियमित रूप से गणना की जाती है। इसके अलावा आग प्रबंधन, बाढ़ की तैयारी और निरंतर वन्यजीव निगरानी जैसे उपाय यह सुनिश्चित करते हैं कि शेरों के पास सुरक्षित आवास हों और किसी भी आपात स्थिति का तुरंत समाधान किया जाए। बड़ी बात यह है कि अप्रैल 2023 में शुरू किया गया इंटरनेशनल बिग कैट्स एशियाई शेरों का अनुमान है कि वर्तमान में पृथ्वी पर शेरों की उपस्थिति 30,000 से 100,000 के बीच है।

जहां तक गिर वन्यजीव अभयारण्य का सवाल है तो वह एशिया में शेरों का एकमात्र निवास स्थान होने के कारण जाना जाता है। गिर अभयारण्य 1424 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 258 वर्ग किलोमीटर में राष्ट्रीय उद्यान और 1,153 वर्ग किलोमीटर वन्य प्राणियों के लिए अभयारण्य है। पास में ही मिलीयाला वन्य जीव अभयारण्य है। माना जाता है कि विश्व में अफ्रीका के बाद गिर में शेर बाघ हैं। गिर के जंगल को सन 1969 में वन्य जीव अभयारण्य घोषित किया गया था। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्र सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट लॉयन के तहत 2900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की है। एशियाई शेर गुजरात के नौ जिलों के 53 तालुकाओं में लगभग 30 हजार वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं। राष्ट्रीय परियोजना के तहत जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20.24 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर वन्यजीवों के चिकित्सीय निदान एवं रोगों से बचाव के लिए राष्ट्रीय रेफरल केंद्र स्थापित किया जा रहा है। सासण में उच्च तकनीक से युक्त निगरानी केंद्र और एक अत्याधुनिक अस्पताल स्थापित किया है। (हिं.स.)



एवेंजर्स – एंडगेम निर्देशक के साथ दोबारा जुड़े रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा एक बार फिर हॉलीवुड फिल्म में नजर आने वाले हैं। अभिनेता दोबारा एप्पल ऑरिजनल फिल्मस की आगामी एक्शन थ्रिलर मैचबॉक्स में निर्देशक रॉम हार्ग्रेव के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में जॉन सीना भी हैं। इससे पहले उन्होंने निर्देशक के साथ साल 2020 में नेटफ्लिक्स एक्सट्रैक्शन में काम किया था। रिपोर्ट के मुताबिक लाइव-एक्शन फिल्म, जो मेटल की लोकप्रिय मैचबॉक्स टॉय व्हीकल लाइन से प्रेरित है में हॉलीवुड सितारे टायोना पैरिस, जेसिका बील और रॉम रिचर्डसन भी होंगे। मौजूदा समय में फिल्म का प्रोडक्शन बुडापेस्ट में चल रहा है। फिल्म का निर्देशन एवेंजर्स एंडगेम और एक्सट्रैक्शन 2 के निर्देशक हार्ग्रेव कर रहे हैं।

क्या है फिल्म की कहानी?

यह फिल्म मशहूर मैचबॉक्स कार लाइन पर आधारित है, जिसकी शुरुआत 1953 में हुई थी जब जैक ओडेल ने अपनी बेटी के लिए माचिस की डिब्बी में फिट होने लायक एक खिलौना बनाया था। मेटल ने रिपोर्ट की है कि दुनिया भर में हर सेकंड दो मैचबॉक्स कारें बिकती हैं।

हार्ग्रेव के साथ काम करने को उत्साहित हैं हुड्डा

वैरायटी के मुताबिक रणदीप हुड्डा ने हार्ग्रेव के साथ फिर से काम करने को लेकर अपना उत्साह जताया है। अभिनेता ने कहा, रॉम के साथ फिर से काम करने को लेकर उत्साहित हूँ। 'एक्सट्रैक्शन' में काम करते हुए हमने एक अच्छा समय साथ में बिताया। रॉम हार्ड-ऑक्टेंड स्टोरीटेलिंग और एक्शन के मास्टर हैं। बुडापेस्ट में टीम में शामिल होने पर खुशी है।

रणदीप हुड्डा का वर्क फंट

रणदीप हुड्डा के वर्क फंट की बात करें तो उनके पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं। उन्होंने हाल ही में स्वतंत्र वीर सावरकर का निर्देशन और अभिनय किया। उनके आगामी कार्यों में सनी देओल अभिनीत और गोपीवंद मल्लिनी द्वारा निर्देशित जाट है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित अर्जुन उतरता से भी जुड़े हुए हैं।



अलग ढंग से फैस के साथ बॉबी देओल ने मनाया जन्मदिन, आश्रम सीरीज के लिए एक्साइटेड नजर आए

बॉबी देओल ने जब से 'एनिमल' फिल्म में अबरार का रोल किया है, उनकी फैन फॉलोइंग काफी बढ़ गई है। एक्टर के कुछ फैस ने 27 जनवरी को उनके घर के बाहर आकर बर्थ डे विश किया। साथ ही बर्थ डे सेलिब्रेशन भी अलग ही ढंग से किया। बॉबी देओल भी अपने फैस से बड़े ही प्यार से मिलते हुए नजर आए। बॉबी देओल के कई फैस उनके घर के बाहर एक्टर का जन्मदिन मनाने के लिए पहुंचे थे। घर के बाहर फैस ने हेप्पी बर्थ डे सॉन्ना एक्टर के लिए गाया। साथ ही कुछ फैस बॉबी देओल के लिए बड़ा सा केक और एक बड़ा सा लड्डू लेकर पहुंचे। केक और लड्डू को अपने बर्थ डे पर फैस सामने एक्टर ने काटा। वह इस मौके पर काफी खुश नजर आए। केक काटने के बाद बॉबी देओल ने फैस को इतना प्यार देने के लिए शुक्रिया कहा। साथ ही फैस और पैपराजी के कहने पर बॉबी देओल ने फिल्म 'एनिमल' का एक सिमनेचर सीन भी करके दिखाया। जब बॉबी ने फिल्म का सीन रिक्रिएट किया तो फैस ने खूब तालियां बजाईं।

आश्रम सीरीज को लेकर दिया अपडेट
अपने जन्मदिन के मौके पर फैस को बॉबी देओल ने बताया कि उन्हें

अपनी वेब सीरीज 'आश्रम' के अगले सीजन का इंतजार है। वह अपनी इस सीरीज का एक डायलॉग जपनाम भी बोलते हुए देखे गए। इसी सीरीज में बॉबी का किरदार लड्डू खिलाकर, अपने भक्तों को वश में करता था। इसलिए फैस बॉबी देओल के लिए बड़ा सा लड्डू बनाकर जन्मदिन पर लाए थे।



12वीं फेल के बाद अब कॉमेडी करती दिखेंगी मेधा शंकर निम्रत-सनी भी साथ आएंगे नजर

सनी कौशल, निम्रत कौर और मेधा शंकर जल्द ही एक साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। बताया जा रहा है कि यह जासूसी कॉमेडी फिल्म होगी। यह पहला मौका होगा जब तीनों कलाकार एक साथ स्क्रीन साझा करेंगे। हाल ही में रोमांटिक थ्रिलर फिर आई हसीन दिलरुबा में अपनी अदाकारी से दर्शकों का ध्यान खींचने वाले सनी कौशल राजस्थान में अपनी इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर चुके हैं।

कौन बना रहा फिल्म?

हालांकि इस फिल्म के बारे में सनी कौशल की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। निर्माताओं की ओर से अब तक फिल्म को लेकर कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इसे लक्ष्मण उतेकर और टी-सीरीज मिलकर बना रहे हैं।

फिर आई हसीन दिलरुबा से

सनी ने खूब लूटी वाहवाही

साल 2024 में सनी ने फिर आई हसीन दिलरुबा में एक दिलचस्प भूमिका अदा की थी। फिल्म में उनके किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। नेटफ्लिक्स की इस फिल्म में वह तापसी पन्नू और विक्रांत मेस्री के साथ नजर आए थे। फिल्म में तापसी और विक्रम ने रानी कश्यप और ऋषभ के किरदारों को फिर से निभाया था।

इस फिल्म में दिखी थीं निम्रत कौर

निम्रत कौर की बात करें तो उन्हें हाल ही में सजनी शिंदे का वायरल वीडियो में देखा गया था। अब वह जल्द ही अपनी आगामी फिल्म सेक्शन 84 में नजर आएंगी, जिसमें वह अभिताभ बच्चन और डायना पेटी के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

इसके अलावा निम्रत कौर जल्द ही स्काई फोर्स में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अक्षय कुमार के साथ आठ साल के बाद पर्दे पर नजर आ रही हैं वीर पहाड़िया इस फिल्म से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रहे हैं।



सलमान की 'सिकंदर' से टकराएगी चियान विक्रम की वीरा धीरा सूरन

साउथ अभिनेता चियान विक्रम की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वीरा धीरा सूरन' की रिलीज डेट से पर्दा उठ चुका है। बुधवार को निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। दिसंबर 2024 में फिल्म का टीजर जारी किया गया था। टीजर ने अभिनेता के फैस की घड़कों को तेज कर दिया था और उनकी उत्सुकता को भी बढ़ाया था।

इस दिन रिलीज होगी 'वीरा धीरा सूरन'

चियान विक्रम की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'वीरा धीरा सूरन' 27 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का सामना बॉक्स ऑफिस पर सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' से होगा। इसके अलावा साउथ की 'लुसिफर 2', 'रॉबिनहुड' और 'मैड 2' भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ऐसे में फिल्म को कलेक्शन को लेकर काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। विक्रम अभिनीत इस फिल्म को 'पोगल 2025' पर रिलीज क्या जाना था, लेकिन जब अजित की 'विदामुयार्वी' को त्योहार के लिए घोषित किया गया, तो 'वीरा धीरा सूरन' की तारीख बदल दी गई।

पोस्ट प्रोडक्शन में चल रही फिल्म

'वीरा धीरा सूरन' की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसका पोस्ट-प्रोडक्शन का काम फिलहाल जोरों पर है। फिल्म में चियान विक्रम के अलावा एसजे सूर्या, अभिनेत्री दुशारा विजयन और लोकप्रिय मलयालम अभिनेता सूरज वेंजरामू सहित कई कलाकार शामिल हैं। फिल्म को तीन भाषाओं तमिल, तेलुगु और हिंदी में रिलीज किया जाएगा।

चियान विक्रम

का वर्क फंट

साउथ अभिनेता चियान विक्रम को आखिरी बार समीक्षकों द्वारा प्रशंसित पीरियड ड्रामा फिल्म 'थंगलान' में देखा गया था। इसके बाद वह 'वीरा धीरा सूरन' में नजर आएंगे। फैस उनकी इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं।

शहनाज गिल ने खुद को ही किया बर्थ डे विश, जन्मदिन पर दोस्तों-फैस ने भी बरसाया प्यार

शहनाज गिल की सोशल मीडिया पर काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है, उनका अपना अलग ही फैन बेस है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने बर्थ डे सेलिब्रेशन की कुछ फोटो शेयर की। इन तस्वीरों में वह केक काटते हुए, अपने दोस्तों के साथ सेलिब्रेशन के अंदाज में दिखीं। शहनाज ने इंस्टाग्राम पर जन्मदिन मनाते हुए जो तस्वीर साझा की है, उसके साथ कैप्शन लिखा है- 'हेप्पी बर्थ डे मी'। वहीं शहनाज के दोस्तों और फैस ने भी उन्हें जन्मदिन पर विश किया है। इन बर्थ डे विशेष को शहनाज के अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में लगाया है। शहनाज को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने वालों में अली गोनी, माही विज, अमनीत कौर, एकता कपूर और सोफी चौधरी जैसे कई सेलिब्रिटीज शामिल रहे।

ये हैं अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

शहनाज गिल के करियर फंट की बात की जाए तो वह एक पंजाबी फिल्म 'डक कुडी' शूटिंग कर रही हैं। इससे जुड़ा अपडेट वह अपने इंस्टाग्राम पेज पर देती रही हैं। हाल ही में शहनाज ने रेपर सिगम हनी सिंह के साथ भी एक म्यूजिक वीडियो किया है, इसे काफी पसंद किया गया है। शहनाज पंजाबी फिल्मों में एक्टिंग और सिंगिंग करती रही हैं। हिंदी फिल्मों में उनके लिए राह 'बिग बॉस 13' के कारण खुली थी। वह इस रियलिटी शो में बतौर प्रतियोगी शामिल हुईं। यहां उनकी मुलाकात सिद्धार्थ शुक्ला से भी हुई। दोनों के बीच एक अलग तरह की केमिस्ट्री, कनेक्शन बन गया था। शो से बाहर आने के बाद भी दोनों साथ नजर आए। ऐसा कहा जाने लगा कि दोनों रिलेशनशिप में थे लेकिन 2021 में सिद्धार्थ शुक्ला का हार्ट अटैक से निधन हो गया। सिद्धार्थ के जाने के बाद शहनाज काफी समय तक सदमे में रही, इससे उबरने में एक्ट्रेस को बहुत समय लगा। अब शहनाज अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रही हैं।



डांस में शाहिद कपूर को कौन सी अभिनेत्री दे सकती है टफ कंपटीशन बोले- बहुत अच्छी डांसर हैं...

शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी एक्शन फिल्म देवा को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। शाहिद अभिनेता होने के साथ ही बेहतरीन डांसर भी हैं, जिसका उदाहरण उनकी कई फिल्मों में देखा जा सकता है। फिल्म देवा के टीजर में शाहिद का डांस हर किसी को पसंद आया। इसी फिल्म के प्रचार के दौरान जब शाहिद से पूछा गया कि वह कौन अभिनेत्री हैं, जो उन्हें डांस में टफ कंपटीशन दे सकती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान जब शाहिद कपूर से पूछा गया कि उनके हिसाब से कौन सी ऐसी अभिनेत्री हैं, जो उन्हें डांस में टफ कंपटीशन दे सकती हैं। जब शाहिद की को-स्टार उनसे कहती कि थोड़ा कम डांस करा कर यार। तो इस पर शाहिद कहते थे कि वह डांस करना नहीं बंद कर सकते। कथित तौर पर शाहिद ने प्रियंका चोपड़ा का नाम लिया और उनकी तारीफ की और उन्हें बहुत अच्छी डांसर बताया। इसके बाद उन्होंने दीपिका पादुकोण, पूजा

हेगड़े, कियारा आडवाणी और अमृता राव सहित कई अभिनेत्रियों के नाम बताए, जिनके साथ उन्होंने काम किया है।

कैटरीना से लेकर पूजा तक की तारीफ की

शाहिद कपूर ने कहा, वेसे तो बहुत सारी अभिनेत्रियां हैं, जो शानदार डांसर हैं। उनमें से कई के साथ मैं पहले भी काम कर चुका हूँ। प्रियंका बहुत अच्छी डांसर हैं, दीपिका बहुत बहुत अच्छी डांसर हैं। मुझे फिल्म देवा में पूजा हेगड़े के साथ डांस करने में मजा आया। कियारा एक अच्छी डांसर हैं, लेकिन हमने साथ में डांस नहीं किया है। यहां तक कि अमृता भी अच्छी डांसर हैं, जब मैंने उनके साथ काम किया था। मैंने कैटरीना के साथ कभी कोई गाना नहीं किया है लेकिन वह एक शानदार डांसर

हैं। शाहिद कपूर और प्रियंका चोपड़ा ने 2009 में फिल्मकमीने और 2012 में फिल्म तेरी मेरी कहानी में साथ काम किया है। वहीं, शाहिद और दीपिका नेपद्मावत में साथ काम किया है। कियारा आडवाणी

और शाहिद नेकवीर सिंह में साथ काम किया है, जबकि उन्होंनेविवाह में अमृता राव के साथ काम किया है। अब शाहिद पूजा हेगड़े के साथ फिल्म देवा में नजर आएंगे।

करीना कपूर के बचाव में आई दिवंकल खन्ना, बोलीं-ऐसी बेवकूफी भरी अफवाहें...

सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले पर अब बॉलीवुड सितारे भी खुलकर आए हैं। इस हमले पर अब दिवंकल खन्ना ने भी बात की है। उन्होंने सैफ पर हुए हमले के बाद करीना कपूर खान पर हुई ट्रोलिंग को लेकर बात की है। दिवंकल खन्ना ने लिखा, अपने कॉलम में करीना कपूर का बचाव किया है। उन्होंने बताया कि ऐसीबेवकूफी भरी अफवाहें हैं कि घटना के दौरान बेबी घर पर नहीं थी या अपने पति की मदद करने के लिएबहुत ज्यादा नशे में थीं। दिवंकल खन्ना ने कहा कि लोगों को बस पत्नियों पर दोष डालने पर मजा आता है। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा के बारे में भी दिवंकल खन्ना ने बात की है। उन्होंने कहा, जब विराट कोहली आउट होते हैं, तो अनुष्का को हूटिंग का सामना करना पड़ता है। दिवंकल खन्ना ने कहा कि ये पैटर्न सिर्फ बॉलीवुड

अभिनेत्रियों के लिए नहीं है। उन्होंने बताया कि पत्नियों के वजन बढ़ने या घटने के लिए पत्नियों को दोषी ठहराया जाता है। उन्होंने बताया कि कैसे लोग अपने साथी के स्वभाव और यहां तक किगंजेपन के लिए भी पत्नी को दोषी ठहराते हैं।





क्या हो आपका बीएमआई

- हेल्दी वजन- 18 से 22.9
- ओवरवेट - 23 से 23.9 या इससे ज्यादा है।
- (बॉडी बिल्डर्स और बुजुर्गों के लिए बीएमआई का यह मानक मान्य नहीं है।)

अपने वजन को लेकर हम अक्सर चिंतित तो रहते हैं, लेकिन हममें से कितने लोग होंगे, जिन्हें अपने 'आइडियल बॉडी वेट' या यूँ कहें कि आदर्श शारीरिक वजन की जानकारी होगी! बहुत ही कम लोगों को, है न! क्या आप जानते हैं कि इसकी एक सबसे बड़ी वजह यह है कि न तो हम ज़िम्मेदार हैं और न ही किसी डाइटिशियन के पास। इसलिए 'आइडियल बॉडी वेट' कितना होना चाहिए, कभी जान ही नहीं पाते। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई और वेस्ट साइज यानी कमर की माप के जरिए आप आसानी से यह पता लगा सकेंगे कि आप 'आइडियल वेट' हैं या नहीं या आप किसी भी तरह के स्वास्थ्य संबंधी खतरों से तो नहीं जूझ रहे हैं!

क्यों है जरूरी

ओवरऑल बॉडी मास की तुलना में आपके बॉडी फैट की मात्रा का सही होना, जो अत्यधिक वजन की वजह से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी कई खतरों को कम करने में मदद करता है। इससे समय से पहले उम्र की रेखाओं को आगे से रोका भी जा सकता है और लाइफ स्टाइल क्वालिटी को बढ़ाने में मदद भी मिलती है। दूसरी ओर, ओवरवेट यानी मोटा-ताजा होना कई बीमारियों और बीमारियों की संभावना को बढ़ाता है। भारतीय शहरों के लगभग 65 प्रतिशत युवा आज या तो ओवरवेट हैं, स्थूलकाय हैं या फिर मोटापे से परेशान हैं। वे या तो हार्ट डिजीज, हाई ब्लड प्रेशर, टाइप 2 डायबिटीज, ऑस्टियोऑर्थराइटिस यानी अत्यधिक वजन की वजह से जोड़ों की समस्या, कुछ खास तरह के कैंसर, सांस लेने से जुड़ी परेशानियों से पीड़ित हैं या फिर इन बीमारियों से पीड़ित होने के कगार पर हैं।

बॉडी पर ध्यान दें

बॉडी फैट का विश्लेषण बॉडी फैट मापने का बेहतर माध्यम कहा जा सकता है। बहुत से प्रशिक्षक इसे मापने के लिए केवल कमर की माप लेने के बजाय कमर और हिप का अनुपात देखा प्रेकर करते हैं। फिटनेस एक्सपर्ट के अनुसार, भारतीय महिलाओं की कमर पतली और हिप चौड़ी होती है, इसलिए केवल कमर की माप देखने के बजाय वेस्ट और हिप का अनुपात देखा बेहतर होता है। वेस्ट और हिप का अनुपात शारीरिक बनावट को ध्यान में रखते हुए उसका आदर्श वजन बताने में मदद करता है। अत्यधिक वजन की वजह से डायबिटीज, हार्ट डिजीज, हाई ब्लड शुगर, हाई एलडीएल (लो

डेंसिटी लिपोप्रोटीन) जैसी स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं के बढ़ने का खतरा रहता है। इनसे बचने के लिए काफी हद तक आप खुद भी बीएमआई और वेस्ट साइज देखकर अपने बढ़ते वजन के बारे में पता कर सकते हैं।

ट्रांसफर हो सकता है मोटापा

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार, मोटापा एक ऐसी बीमारी है, जो एक से दूसरे में ट्रांसफर भी हो सकती है। यदि आपका दोस्त मोटा है तो आपके भी मोटे होने की आशंका 57 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। ऐसा विवाहित जोड़ियों या सगे भाई-बहनों के साथ भी हो सकता है, क्योंकि काफी हद तक वे एक-दूसरे से जुड़े होते हैं।

आप हेल्दी वेट हैं या नहीं

किसी भी वयस्क की लंबाई और वजन को ध्यान में रखकर उसके सही बॉडी वेट या फैट को तय करना ही बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई कहलाता है। अपना बीएमआई जानने के लिए आप अपने वजन को किलोग्राम में और लंबाई को मीटर में माप लें। अब लंबाई की माप को वर्ग कर लें यानी उस लंबाई में उतने से ही गुणा कर दें। अब वजन में अंतिम रूप से प्राप्त लंबाई से भाग दे दें। मान लें कि आपका वजन 70 किलोग्राम है और आपकी लंबाई 1.6 मीटर है। तो बीएमआई निकालने के लिए सबसे पहले लंबाई का वर्ग कर लें यानी 1.6 में 1.6 से गुणा कर लें जो 2.56 होगा। अब वजन यानी 70 में 2.56 से भाग दे दें। प्राप्त परिणाम होगा 27.35, जो आपका बीएमआई कहलाएगा। अगर आपका वजन 60 किलोग्राम है और वजन 1.6 मीटर तो आपका बीएमआई 60 में 2.56 से भाग देने से निकलेगा। यह 23.43 होगा। बीएमआई पर नजर रखकर आप अपने वजन पर खुद भी नियंत्रण रख सकते हैं। यदि आप ओवरवेट हैं या फिर मोटापे के शिकार हैं तो पहले खुद को और मोटे होने से रोकें। तभी बाद में आप अपना वजन कम करने पर ध्यान दे पाएंगे। यदि आपकी बीएमआई रेंज हेल्दी है तो अच्छी डाइट और एक्सरसाइज प्लान के जरिए बाद

क्या आप हैं आइडियल वेट

में आप अपना वजन बढ़ा भी सकते हैं।

वेस्ट साइज

यदि आपका बीएमआई आपको हेल्दी वेट वाला बताता है तो आपके कमर की माप लेना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह खासतौर से भारतीयों पर लागू होता है, क्योंकि भारतीयों की कमर चौड़ी होती है। यदि आप महिला हैं और आपका वेस्ट साइज 80 से.मी. से ज्यादा है या आप पुरुष हैं और आपका वेस्ट साइज 90 से.मी. से ज्यादा है तो आपके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रस्त होने की आशंका प्रबल है और आपके हार्ट डिजीज, टाइप 2 डायबिटीज, ब्रेस्ट कैंसर से ग्रस्त होने और प्री-मेनोपॉर डेथ की अधिक आशंका है। ध्यान रखें कि पुरुषों के कमर के आसपास और महिलाओं के लोअर बॉडी में फैट बढ़ने की संभावना अधिक रहती है।

वेस्ट साइज मापने का सही तरीका

सीधे खड़े होकर टेप से आप हिप बोन्स के ठीक ऊपर का हिस्सा मापें। ऐसा सांस छोड़ने के तुरंत बाद करें। यदि आपका बीएमआई या कमर की गोलार्ध हेल्दी लिमिट्स को पार कर रही हो तो अत्यधिक वजन की वजह से होने वाली बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप वजन कम करने की योजना बनाएं।



सीने के दर्द को न करें दरकिनार

आशा 54 वर्ष की उम्र में भी बेहद नियमित और सक्रिय रहने वाली महिला रही है। थोड़ी बहुत शारीरिक परेशानी के नाम पर उन्हें कभी-कभार चेस्ट पेन की शिकायत होती थी। लेकिन इसे वह ज्यादा तबज्जो नहीं देती थी। एक रोज अचानक जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा तो किसी को यकीन नहीं हुआ कि बेहद नियमित दिनचर्या वाली आशा को भी ऐसी परेशानी हो सकती है। दिल का दौरा पड़ने के बाद समय पर उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाने से उनकी जान तो बच गई, लेकिन तमाम जांच-पड़ताल के बाद डॉक्टरों ने जो बताया, वह चौंकाने वाला था। डॉक्टरों का कहना था कि आशा को दिल का दौरा यूँ ही अचानक नहीं पड़ा। समय-समय पर उनके सीने में होने वाला हल्का दर्द ही इस बात का संकेत दे रहा था कि उनका दिल बीमार है और उसे दवा और देखरेख की जरूरत है। लेकिन राधा ने उस दर्द पर ध्यान न देकर खुद को हृदय रोगी बना लिया। आमतौर पर महिलाएं सीने में उठने वाले हल्के दर्द पर ध्यान नहीं देती हैं, जो आगे जाकर बड़ी समस्या का रूप ले लेता है। आमतौर पर सीने में होने वाले इस दर्द को 'एंजाइना' कहा जाता है, जिसे मेडिकल लैंग्वेज में एंजाइना पेक्टोरिस के नाम से जाना जाता है।

खून की कमी

'एंजाइना की समस्या तब होती है, जब कोरोनरी डिजीज के चलते हार्ट तक पहुंचने वाले रक्त की मात्रा कम होती है।

सीने का दर्द एंजाइना के शुरुआती लक्षणों में से एक है, जो आगे चलकर दिल का मरीज बना सकता है। इसे महिलाओं के लिए साइलेंट किलर कहा जाता है।

जाती है। हार्ट को ऑक्सीजन की कमी महसूस होने लगती है, जो दर्द के रूप में सामने आती है। एंजाइना कोई बीमारी नहीं है, बल्कि यह हार्ट से जुड़ी समस्या बन आप पर हावी होने का संकेत देती है। कभी एंजाइना का दर्द सीने के अलावा एक तरफ की बांह, कंधे, जबड़ों, गर्दन और कमर में भी होता है।' ऐसे में एंजाइना को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। ज्यादातर लोग यह मानते हैं कि एंजाइना से आमतौर पर पुरुष ही प्रभावित होते हैं, लेकिन अध्ययन बताते हैं कि अधिकतर महिलाओं को अगर हार्टअटैक की समस्या होती है तो इसकी एक बड़ी वजह एंजाइना ही होता है। एंजाइना के चलते मरीज को सीने में होने वाला दर्द, अजीब-सा भारीपन, सांस लेने में ज्यादा दबाव डालना आदि संकेत मिलते हैं। कभी-कभी एंजाइना से पीड़ित महिला को भूख न लगना, लगातार पसीना निकलना और कपकपी की शिकायत भी होती है।

स्टेबल एंजाइना की परेशानी

'महिलाओं में आमतौर पर स्टेबल एंजाइना की परेशानी ही ज्यादा देखने को मिलती है, जो थोड़ी देर आराम करने के बाद नियंत्रित हो जाती है। इसी कारण महिलाएं इस समस्या को ज्यादा तबज्जो नहीं देती हैं। अगर एंजाइना को शुरुआती लक्षणों के दौरान भांप लिया जाए तो दवाओं से इसे नियंत्रित किया जा सकता है और हार्ट से जुड़े खतरों को टाला जा सकता है।'



गुस्से को कहिए बाय-बाय



जब गुस्सा आता है तो दिल करता है आसपास तोड़-फोड़ कर दूं। जोर से चीखूं, चिल्लाऊं। गुस्सा आने पर हमारी स्थिति कुछ ऐसी ही होती है। बिना सोचे-समझे कोई भी कदम उठा लेते हैं। गुस्से को कैसे कम किया जाए और गुस्सा आने पर खुद को कैसे संभालें। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार कई महत्वपूर्ण बातें हैं, जिनसे गुस्से को काबू किया जा सकता है।

गलती का एहसास

गुस्से पर नियंत्रण के लिए आवश्यक है सबसे पहले एहसास होना कि हम कुछ गलत कर रहे हैं और गुस्सा खत्म करने की इच्छा हो। अगर गलत करने का पछतावा ही नहीं होगा तो उसे सुधारने की इच्छा कैसे जागेगी। तो इस गुस्से की समस्या पर पहले ही जीत क्यों न हासिल करें। वजह को समझें: जौब छुटने पर, कैरियर में असफल होने पर या किसी निजी परेशानी या अन्य कारणों से तनाव बढ़ने से रवभाव विडविडा हो जाता है। तो ऐसे में गुस्से की वजह को जानने की कोशिश करें। जानें कि वयो आपके व्यवहार में विडविडापन आ रहा

है। कारणों को समझकर उसे हल करने का प्रयास करें।

बात करें: कई बार दोस्तों, पति-पत्नी या परिवार के बीच कुछ गलतफहमियां या टकराव हो जाता है, जो गुस्से का कारण बनता है। ऐसे में बात करके मिले-शिफा हो जाए। बात करने से आपसी गलतफहमी भी दूर होगी और सब सामान्य हो जाएगा। परिस्थितियों को स्वीकारें: कई बार ऐसी स्थितियां होती हैं, जिनसे न हम आगे बढ़ पाते हैं और न उन्हें बदल सकते हैं। ऐसे में धीरे-धीरे मन में खीझ उत्पन्न होने लगती है। इसलिए आवश्यक है कि उन परिस्थितियों को स्वीकार किया जाए। उनसे भागने और परेशान होने की बजाए कारणों को स्वीकारें और जिंदगी में आगे बढ़ें।

भागदौड़ी से बचें: रोडवेज की कितनी ही घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। गुस्से के भयानक परिणाम ऐसी घटनाओं में नजर आते हैं। अक्सर होता ये है कि हम जल्दी में घर से निकलते हैं। रास्ते में जाम लगने या किसी विडविडा हो जाता है। तो ऐसे में गुस्से की लेंट हो जाए तो चिंता बढ़ जाती है, जो गुस्से के रूप में बाहर निकलती है। इसलिए जहां

छरहरी काया किसे पसंद नहीं होती। जहां भी जाएं, सभी आपकी फिटनेस की तारीफ करें। युवक हो या युवती सभी परफेक्ट बॉडी शैप के लिए चिंतित रहते हैं। फिटनेस को लेकर चिंता तो रहती है, लेकिन उस ओर कदम कुछ ही लोग उठाते हैं।

गुस्सा आएगा तो स्वाभाविक है कि वह किसी न किसी तरह बाहर भी निकलेगा। कई बार हम गुस्से को गलत तरीके से भी बाहर निकालते हैं और हम अपना ही नुकसान कर बैठते हैं, लेकिन कुछ समझ-बूझ और संयम से भी गुस्से को बढ़ने से रोका जा सकता है।

भी जाएं, थोड़ा जल्दी घर से निकलें। बेहतर है कहीं जाना: गुस्सा रोकने के लिए आवश्यक है कि ध्यान कहीं और लगाएं। जब गुस्सा आ रहा हो तो उस जगह से चले जाएं। वहां रहेंगे तो गुस्सा और बढ़ेगा। वहां से चले जाने पर ध्यान झगड़े से हट जाएगा।

गहरी सांस लें

गुस्से के वक़्त कहीं दूर जाकर लंबी गहरी सांस लें। शरीर में सांस के अंदर-बाहर जाने की प्रक्रिया को महसूस करें। इससे आपका ध्यान गुस्से से हटकर सांस लेने पर चला जाएगा, जिससे गुस्सा कम हो जाएगा। इसके अलावा 1 से लेकर 10 तक गिनती भी गिन सकते हैं।

ऊर्जा का उचित उपयोग: गुस्सा आने पर शरीर में हमोन्स में कई बदलाव होते हैं, जिनसे शरीर लड़ने के लिए एकदम तैयार हो जाता है। उस समय शरीर में उत्पन्न ऊर्जा को लड़ाई में न लगाकर किसी अन्य काम में लगाएं। जैसे घूमने निकलें, व्यायाम करें, डांस करें, बास्केट बॉल या घर पर वॉटरिंग करें, या कुछ अन्य काम। इससे ऊर्जा इन कामों के जरिए बाहर निकल आएगी और गुस्सा अपने आप कम हो जाएगा।

बात न करें: गुस्सा आने पर कोशिश करें कि किसी से भी बात न हो। भीड़-भाड़ वाली जगह पर न जाएं। इससे आपका गुस्सा कुछ समय बाद अपने आप सामान्य हो जाएगा। परिणामों पर सौचें: गुस्से में कोई कदम उठाने के बाद उसके परिणाम भी भुगतने पड़ जाते हैं। इसलिए गुस्से में कुछ करने से पहले बाद में होने वाले परिणामों के बारे में सोचने की कोशिश करें।

चंगोई मिखाला में डफ फागोत्सव का शुभारंभ



जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर क्षेत्र के गाँव चंगोई मिखाला में होली पर्व पर ग्रामीणों व भामाशाहों के सहयोग से डफ फागोत्सव का आयोजन किया गया। विधानसभा प्रत्याशी व भाजपा नेता राकेश जागिड़ ने फीता काटकर व डफ बजाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जागिड़ ने उपस्थित लोगों को होली पर्व की बधाई दी। इस मौके पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने भी दूरभाष के माध्यम से ग्रामीणों को होली पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जागिड़ ने कहा कि ग्रामीणों की ओर से संस्कृति को ज़िंदा रखने का जो कार्य किया जा रहा वो प्रशंसनीय है। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि सुमेरीसिंह सोनगरा, बजरंग सिंह राजवी, भादर सिंह रेपसवल, माणक सैनी, पंकज जागिड़, साधिर हुसैन, कर्मांडो चुन्नीलाल सैनी सहित कई लोग मौजूद रहे।

होली पर्व को लेकर सीएलजी की बैठक में दिए निर्देश



जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। करबे होली पर्व पर होने वाले धिन्दर नृत्य में शांति व्यवस्था बनाने के लिए सीएलजी, शांति समन्वय समिति की बैठक हुई। नगरपालिका परिसर में हुई बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर मंगलाराम पुनिया और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार के अध्यक्षता में हुई बैठक में पुलिस उपाधीक्षक अनिल कुमार, उपखण्ड अधिकारी रामकुमार, तहसीलदार जितेन्द्र सिंह धानाधिकारी कमलेश कुमार, नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी कुन्दन दैधा और दोनों धिन्दर कमेट्री के अध्यक्ष भंवरलाल नाई व संजय महावर थे। प्रशासनिक अधिकारियों होली पर्व पर शांतिपूर्ण और भाईचारे की भावना के साथ मनाने की अपील की। साथ ही उपस्थित लोगों और सीएलजी शांति समिति के लोगों के साथ विचार विमर्श किया तथा सुझाव लिए गए। पूर्व पालिकाध्यक्ष गोपाल मारू ने ट्रैफिक व्यवस्था करने के लिए सुझाव दिए और प्रशासन से सहयोग की अपील की। बैठक मे करबे के कई लोग उपस्थित रहे।

रामवीर सिंह राईका विधानसभा क्षेत्र प्रभारी नियुक्त

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेट्री प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटारसा के निर्देशानुसार युवा कांग्रेस नेता रामवीर सिंह राईका श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया। बता दे कि कांग्रेस ने संगठन को बूध स्तर तक मजबूत करने के लिए विधानसभा वार्ड प्रभारी नियुक्त किए हैं, जिनका काम कांग्रेस को ब्लॉक मंडल और बूध स्तर तक जाकर कांग्रेस के लिए सक्रिय कार्यकर्ताओं को जोड़ना और प्रत्येक लेवल तक की पूरी जानकारी प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय तक पहुंचाना होगा। रामवीर सिंह राईका ने बताया कि मुझे प्रदेश कांग्रेस कमेट्री की ओर से रायसिंहनगर श्रीगंगानगर जिले की विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी के रूप में नई जिम्मेदारी देने के लिए राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेट्री अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटारसा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूनी, पीसीसी महासचिव ललित तुनवाल, विधायक पुराराम गोदारा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जल्द ही वह विधानसभा क्षेत्र में जाकर बैठक करेंगे और वहां के ब्लॉक मंडल बूध की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय भेजेंगे। पिछड़े वर्ग अल्पसंख्यक व जिन जातियों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं है, उन जातियों को अधिक से अधिक पार्टी हित में जोड़ने का कार्य करेंगे।

मेडिकल एसोसिएशन की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

जयपुर टाइम्स

नीमकाधाना(निस)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आई.एम.ए.), नीम का धाना की कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन रविवार को किया गया। बैठक की अध्यक्षता स्टेट आई.एम.ए. के अध्यक्ष डॉ. एम.पी.शर्मा ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. पी.सी. गर्ग, सचिव स्टेट आई.एम.ए. मौजूद रहे। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिनमें आई.एम.ए. सदस्य संख्या बढ़ाना, बेस्ट प्रोजेक्ट डिस्पोजल, फायर सेफ्टी, डेड बॉडी निस्तारण,आरजीएचएस व चिरजीवि योजनाओं के निस्तारण, आर.जी. आरयू.एच.एस.वी.सी. की नियुक्ति और राज्य सरकार के बीच चल रहे विवादों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही भविष्य की कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में आई.एम.ए. नीम का धाना के अध्यक्ष डॉ. हरकेश गोयल, सचिव डॉ. राजेश जागिड़, उपाध्यक्ष डॉ. श्रवण मीणा, कोषाध्यक्ष डॉ. सतवीर अवाना, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. एल.एन. जाटोरिया, डॉ. शारदा मील, संयुक्त सचिव डॉ. अरुण फानन, आयोजक डॉ. दीपक कुंडू, और कार्यकारिणी सदस्य डॉ. जी.एस. यादव और डॉ. बी.एस. शर्मा व विनोद समेत कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में भविष्य में होने वाले पोस्ट होली मिलन समारोह की रूपरेखा भी तैयार की गई और आई.एम.ए. की नियमित बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया गया। यह बैठक आई.एम.ए. के उद्देश्यों की ओर एक और कदम बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुई है।

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। रेलवे पेंशनर समिति की ओर से स्थानीय रेलवे क्लब के पास रविवार को वरिष्ठ पेंशनर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में रेलवे से सेवानिवृत्त 70 वर्ष से अधिक आयु प्राप्त 40 पेंशनर का अभिनंदन किया गया। समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त रेलवे गार्ड महेंद्र कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि मोहसिन अली कुरैशी जोनल अध्यक्ष सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी संघ वीकानेर रहे। सीनियर सेक्शन इंजीनियर ओम सुरेश भगारसा, डॉ. मोहम्मद खुरशीद, समिति सचिव मोहनलाल सैनी, उप बैंक प्रबंधक एसबीआई रामस्वरूप मीणा, स्टेशन अधीक्षक बाबूलाल मीणा, समाजसेवी सीताराम गुर्जर, बैंकमर्मा महावीर प्रसाद, राज. पेंशनर संघ के अध्यक्ष



जयपुर टाइम्स

सत्यनारायण सेवदा मंचस्थ अतिथि रहें। इस मौके पर मुख्य अतिथि कुरैशी ने कहा कि पेंशनर पेंशनधारक का अधिकार है, इसका समयबद्ध भुगतान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे पेंशनर के हितों के लिए हमेशा सहयोग

के लिए तैयार हैं। विशिष्ट अतिथि उप बैंक प्रबंधक रामस्वरूप मीणा ने पेंशनर व वरिष्ठ नागरिकों को प्रदत्त सुविधाओं की जानकारी दी। से. नि. सीआईटी रेलवे ओमप्रकाश चौहान ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

1100 व्यक्तियों को कुंभ स्नान करवाने वालों का सम्मान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। करीब 11 सौ व्यक्तियों को प्रयागराज महाकुंभ की यात्रा करवाने वाले ओमप्रकाश पारीक व सुमन देवी पारीक का सम्मान किया गया। भोजलाई बास स्थित पारीक भवन में विप्र फाउण्डेशन की ओर से 11 सौ व्यक्तियों को प्रयागराज महाकुंभ की यात्रा करवाने वाले ओमप्रकाश पारीक व सुमन देवी पारीक का विप्र फाउण्डेशन महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष जयश्री दाधीच की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में अभिनंदन हुआ। कार्यक्रम में फाउण्डेशन के प्रदेश सदस्य दीपक कौशिक, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष व पार्षद गौरव इंदौरिया, विद्याधर पारीक, पं. लालचंद कौशिक, अपर लोक अभियोजक एड. श्याम सुन्दर खंडेलवाल, पार्षद दीनदयाल पारीक, पारीक समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश बोहरा मंचासीन रहे। इस दौरान 11 सौ व्यक्तियों को प्रयागराज महाकुंभ यात्रा करवाने वाले ओमप्रकाश



पारीक व सुमन देवी पारीक का पुष्पहार, साफ़ा पहना कर व पुष्प वर्षा कर स्वागत व सम्मान किया गया। इस मौके पर पार्षद मीनाक्षी स्वामी, पार्षद मनोज पारीक, राजकुमार बोहरा, सुनील तिवाड़ी, ओंकारमल बोहरा, प्रकाश पारीक, शिव कुमार तिवाड़ी, हसराम बोहरा, विकास गोवला, वेदप्रकाश स्वामी, लक्ष्मीनारायण बागड़ा, गोपाल पारीक, आशीष चोटिया, विश्वदीपक काछवाल, योगेश दाधीच, मनोज दाधीच, प्रेम स्वामी, राजकुमार पारीक सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे।

शिक्षा से ही सर्वांगीण विकास संभव - सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल

जयपुर टाइम्स

रावतसर(निस.) वाइमेर-जैसलमेर-बालोतरा के लोकप्रिय सांसद आदरणीय उम्मेदाराम जी बेनीवाल ने अपनी भुआजी स्वर्गीय श्रीमती बालीदेवी जी की स्मृति में शिक्षा ही संकल्प नारे को साकार करने की दिशा में अपने क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की है। 'अपना स्कूल - डिजिटल स्कूल' मुहिम के तहत उन्होंने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, हदौनियां की छापी में डिजिटल स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने की घोषणा की है। सांसद बेनीवाल का मानना है कि शिक्षा ही सर्वांगीण विकास की कुंजी है और हमें समाज में शिक्षा की अलख जगाने के लिए स्वयं आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल शिक्षा आज के समय की जरूरत है, और यह पहल ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने में सहायक होगी। उम्मेदाराम बेनीवाल द्वारा यह महत्वपूर्ण योगदान शिक्षा के क्षेत्र में एक नई क्रांति लाने का प्रयास है। उनके अनुसार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही हमारे बच्चों को आत्मनिर्भर बना सकती है और इसके लिए संसाधनों का सशक्तिकरण आवश्यक है। डिजिटल स्मार्ट क्लासरूम से विद्यार्थियों को नवीनतम शैक्षणिक सामग्री, ऑडियो-वीडियो शिक्षण पद्धति और स्मार्ट लर्निंग सुविधाएं प्राप्त होंगी, जिससे उनका शैक्षिक स्तर बेहतर होगा। बेनीवाल ने शिक्षा ही संकल्प के नारे के राजनीति में प्रवेश



किया था उन्होंने बिना किसी पद पर रहते हुए भी निजी खर्च से सैकड़ों स्कूलों में डिजिटल स्मार्ट क्लास रूम बना चुके हैं। सांसद बनने के बाद भी अपने सांसद कोष व भामाशाहों के माध्यम से शिक्षा में सुधार हेतु प्रयासरत हैं। सांसद बेनीवाल ने समाज के प्रबुद्धजनों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से भी आह्वान किया कि वे शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दें और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा को

बढ़ावा देने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति शिक्षा के लिए कुछ न कुछ योगदान दे, तो हम आने वाली पीढ़ी का भविष्य उज्ज्वल बना सकते हैं। डिजिटल स्मार्ट क्लासरूम की घोषणा से विद्यालय परिवार, विद्यार्थी और ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। विद्यालय प्रशासन ने सांसद बेनीवाल का आभार व्यक्त करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम बताया। सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल की यह पहल गांवों में डिजिटल क्रांति लाने और शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। सांसद ने इस दौरान सरकार पर आरोप लगाते हुए कि सरकार शिक्षकों की नियुक्ति नहीं कर रही जिससे हमारे बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है सरकार की इस नाकामी की पूर्ति स्मार्ट क्लास रूम के माध्यम से होगी एक स्मार्ट बोर्ड दो शिक्षकों की पूर्ति करता है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया सम्मानित



जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को जन मंगल सेवा संकल्प समिति की ओर से स्थानीय गौड़ बाहण भवन मे आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि तोदी बीएड कॉलेज की प्राचार्या डॉ बीनू शेखावत, विशिष्ट अतिथि ऋषिकुल विद्यापीठ की प्राचार्या डॉ रेखा शर्मा रही जबकि अध्यक्षता भूमिका चोटिया ने की। इस अवसर पर डॉ. बीनू शेखावत, डॉ. रेखा शर्मा, विनीता पुजारी, कुशुमलता पुजारी, दीपशिखा अय्यर, सुमन, वीणा शर्मा, लक्ष्मी गौतम एवं सुश्री भूमिका चोटिया को मुक्ता हार, प्रतिक चिन्ह व महिला गौरव सम्मानो- पाथि

देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे जन मंगल सेवा संकल्प महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें अध्यक्षानी तूटू ठण्ड, उपाध्यक्ष सुमन पासोरिया, मंत्री स्वेता जोशी, उप मंत्री कंचन जोशी, कोषाध्यक्ष मधु मिश्रा, उप कोषाध्यक्ष सारदा शर्मा, संगठन सचिव सुनिता पारीक, प्रवक्ता दीपशिखा अय्यर को बनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। संचालन नितू ठण्ड व स्वेता जोशी ने किया। इस दौरान जन मंगल सेवा समिति के पदाधिकारी यादव शास्त्री, प्रदीप चोटिया, प्रकाश पासोरिया, उमेश चोटिया, रमेश नाहरीया, जयप्रकाश भण्डारी, पंकज पारीक, अशोक पुजारी, रुद्राक्ष ठण्ड, ईशिता ठण्ड, मुकेश ठण्ड व नगर की संभांत महिलाएं उपस्थित रही।

सत्यनारायण टेलर बने भारत विकास परिषद रतनगढ़ के अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। भारत विकास परिषद् शाखा रतनगढ़ के सत्र 2025 - 2026 के चुनाव प्रांतीय नेत्र चिकित्सा प्रकल्प प्रभारी निरंजन चोटिया के सानिध्य में संपन्न हुए। मां सरस्वती व विवेकानंद जी चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से शुरू हुए कार्यक्रम में मंच पर प्रांतीय उपाध्यक्ष वासुदेव चाकलान, जिला समन्वयक उमेश चन्द चौहान, जिला सह समन्वयक वैद्य लक्ष्मीनारायण शर्मा, संरक्षक मदनलाल कम्मा,शाखा अध्यक्ष सत्यनारायण टेलर, सचिव परमेश्वर लाल आत्रेय उपस्थित रहे। परिषद् की परंपरा अनुसार सर्वप्रथम वंदे मातरम् गीत गाया गया और मंचासीन अतिथियों का अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मान किया गया। प्रांतीय निर्देशानुसार पुण्यश्लोका अहिंसा बाई होल्त्कर जी की त्रिशताब्दी जन्म जयंती वर्ष मनाने के निमित्त प्रांतीय उपाध्यक्ष वासुदेव चाकलान ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। वर्तमान सत्र के अध्यक्ष, सचिव व वित्त सचिव ने सत्र 2024 -2025 में संपन्न हुए कार्यक्रमों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में माह मार्च तक वैवाहिक वर्षगांठ मनाने वाले विकास कौशिक, अनिल सैन, बजरंगलाल शर्मा, रामावतार चांडक, गोपाल हरितवाल, राधेश्याम महर्षि व पवन माटोरिया का दुपट्टा ओढ़ाकर व मोमेंटो भेंटकर सम्मान किया गया। सत्र 2025 -2026 के लिए हुए



चुनाव में उपस्थित समस्त सदस्यों ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर सत्यनारायण टेलर, सचिव पद पर परमेश्वरलाल आत्रेय व वित्त सचिव पद पर शैलेश शर्मा को निर्वाचित घोषित किया गया।इस अवसर पर दिनेश चंद्र शर्मा, रघुनाथ प्रसाद इंदौरिया, संजय कौशिक, धर्मचंद सिंडोरिया, राजेंद्र भारद्वाज, राकेश नायक, हिमांशु मालपुरिया, राजेंद्र सिंह बोधावत, कमलेश दत्त शर्मा , रामगोपाल पारीक, मदन सिंह फ्रांसा, कैलाश आत्रेय, सत्यनारायण सेवदा, शुक्रदेव सांखोलिया, दौलतराम दायमा, पंकज पीपलवा, मोहम्मद अनवर कुरैशी, विनोद चौमाल, कुलदीप गौड़, वेदप्रकाश पंवार, मदनलाल स्वामी, डाक्टर जयाकान्त बिंवाल, भंवरलाल टेलर,पवन कुमार महर्षि, ओमप्रकाश सांखोलिया, राम दयाल चोटिया सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। संचालन वित्त सचिव शैलेश शर्मा ने किया।

बसंतोत्सव पर चंग की थाप पर थिरकी महिलाएं

त्रिनेत्र योग धाम में बसंतोत्सव का आगाज

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शहर के निकटवर्ती गांव घंटेन स्थित त्रिनेत्र योग धाम में होली के अवसर पर शनिवार देर शाम बसंतोत्सव 2025 का आगाज किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने धमाल और लोकगीतों का आनंद उठाया। डॉ. मनोज योगाचार्य ने बताया कि यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की संकल्पना को ध्यान में रखते हुए महिलाओं की विशेष उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस दौरान योग प्रशिक्षिका विनीता शर्मा के नेतृत्व में चंग की थाप पर ताल से ताल मिलाकर सभी ने एक साथ नृत्य किया। श्री श्याम द्रुप मंडली चूरू के सानिध्य में हुये कार्यक्रम में मुख्य गायक महेश हारीत व राजेंद्र चौबे ने लोकगीतों और धमालों की स्वर लहरिया बिखेरी। कार्यक्रम में घंटेन, पितर जी की दाणी, रिड्खला, सोमासी और स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों को झूमने पर मजबूर



कर दिया। गौरतलब है कि होली का आयोजन पुरुष प्रधान ही माना जाता है, परंतु अब मातृशक्ति को भी ऐसे आयोजनों में अपने परिवार के साथ भाग लेना चाहिए। जिससे आने वाली पीढ़ी को हमारी लोक संस्कृति को समझने का मौका मिल सके। त्रिनेत्र योग धाम पर डॉ.मनोज योगाचार्य के सानिध्य में इसी थीम पर हमेशा अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। शर्मा ने बताया कि इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य पारिवारिक समरसता को बढ़ाना और हमारी लोक संस्कृति को जीवित रखना है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित रहे।

विधायक सहारण ने किया फागोत्सव का शुभारम्भ

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। सुराणा भवन में शनिवार रात्रि को फागोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक हरलाल सहारण ने चंग बजाकर किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, झारिया धाम के आकाश नाथ महाराज, प्रदेश मंत्री डॉ. वासुदेव चावला, जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया, सुरेश सारस्वत, मंडल अध्यक्ष धर्मेन्द्र राकसिया, मोहन लाल गढ़वाल व सुनील ढाका थे। इस अवसर पर सोनू हारित, मंडल उपाध्यक्ष गजानंद गौड़, पंकज ओझा, रुपेश टिमटिमिया, धनराज सैनी, परमेश्वरी प्रजापत, पुरुषोत्तम शर्मा, विनोद ओझा ने आंगंतुक अतिथियों का मार्तयापण कर स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि ये त्यौहार हम-सब को प्रेम व भाईचारे का संदेश देते हैं। जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि चूरू की इस गंगा जमुनी तहजीब की विशेषता है कि हम-सब मिलजुलकर त्यौहार मनाते हैं। प्रदेश मंत्री डॉ.



वासुदेव चावला ने कहा कि शेखावाटी अंचल के इस त्यौहार से हम सब में एकता का भाव पैदा होता है। कार्यक्रम में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक धमालों की प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जन को भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर राकेश गुर्जर, मुकेश सैनी, मुकेश साहू रतनगढ़, सत्य गौड़, अनिल सैनी सहित अनेक कार्यकर्ता व शहर के लोग उपस्थित रहे।